-9/1/8

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

d • 18]

नई विल्ली, शनिवार, सई 9, 1981/वैशाख 19, 1903 NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1981/VAISAKHA 19, 1903

No. 18]

इस भाग में भिग्न पुष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्ता जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—**चन्द** 3—उप-**चन्द** (iii) Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संब राज्यक्षेत्र प्रसासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

मादेश

नई विल्ली, 25 फरबरी, 1981

आ। अ। 195.—यनः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि सहै, 1980 में हुए बिहार विधान मभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 157-मधुपुर निर्वाचन-भेत्र से चुनाव लड़में वाले उम्मीदबार की दुर्ग मरम्, ग्राम कौल्ह बीह, पो० करो ग्राम, जिला मंथाल परणना (बिहार) में लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए निममो द्वारा अपेशित अपने निर्वाचन व्ययों का कौई भी लेखा वाबिल करने में प्रस्थल एहे हैं;

धौर, यत. उक्त उम्मीयवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी भपनी उस भसफलता के लिए कीई कारण भथवा स्पष्टीकरण नहीं चित्र। है, भौर निर्वाचन भागोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं हैं;

धतः श्रव, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन माबोग एतद्द्वारा उक्त श्री दुर्ग मुख्यू की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्षकी कालाविक के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० विहार-वि०स०/157/80(14)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 25th February, 1981

O.N. 195.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Durga Murmu, vill. Kalhdih, P.O. Karonpur, distt. Santhal Pargana, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 157-Madhupur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Durga Murmu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/157/80(14)]

आं आं 196.—यत: निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 157-मधुपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री नव कुमार बास, प्राम वर्मसिया, पो वस कुप्पी, प्रंचल-करो, संचाल परगना, बिहार ने लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा लद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखाल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर, यत. उक्त उम्मीदवार ते, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी भ्रापनी उस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयका स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रनृत्तरण में निर्वाचन भायोग एनद्वारा उक्त श्री नव कुमार दास को संसद के किसी भी भदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन घोषिस करता है।

[मं० विहार-वि०स०/157/80(15)]

O.N. 196.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nava Kumar Das, vill. Barmasia, P.O. Baskupi, Anchal Karoa, Santhal Pargana, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 157-Madhupur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nava Kumar Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/157/80(15)]

मा. छ० 197.—यत', निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए बिहार विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन
के लिए 157-मधुपुर निर्वाचन-श्रीत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री
विनोध कुमार मुर्मू, ब्लोक मं० 222, च्यू कालोनी, वार्ड नं० 5, मधुपुर,
संचाल परगता. बिहार में लोक प्रतिविधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा
तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धपेकित सपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी
लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भीर, यतः, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी भ्रपनी उस भसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रामुसरण में निर्वाधन श्रायोग एतद्शारा उक्त श्री विनोदकुमार मुर्भू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने भीर होने के लिए इस बादेश की नारीन्त्र से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत वोषित करना है।

[मं**ं वि**हार-वि॰म०/157/80(16)]

O.N. 197.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bindod Kumar Murmu Block No. 222, New Colony, Ward No. 5, Madhupur, Santhal Pargana, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 157-Madhupur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Binod Kumar Murmu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/157/80(16)]

आंश्रं 198 .—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 157-मध्पुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुरेश जन्म वाम, कुण्ड बंगला, पो० मध्पुर, जिला संचाल परगना (बिहार) ने लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेकिन अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखल करने में ग्रसफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीवनार ने, उसे सम्यक् सूचना विए जाने पर भी अपनी उस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधाम हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायोजिस्य नहीं है;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एनवृद्धारा उक्त श्री सुरेश चन्द्र वास को संसद के किसी भी मदन के या किसं: राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की तारीखा से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्सातन धाषित करना है।

> [मं० बिहार वि॰स॰/157/80(17)] एम० सी० जैन, धवर सचिव, भारत निर्वाचन आयोग

O.N. 198.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suresh Chander Roy, Kundu Bangalow, P.O. Madhupur, Distt. Santhal Pargana, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 157-Madhupur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the f-lection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suresh Chander Roy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/157/80(17)] S. C. JAIN, Under Secy. Election Commission of India

आदेश

नई विल्ली, 10 सःचं, 1981

मा॰ अ॰ 199.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि गई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 145 रामनगर निर्वाचन केल सं चुनाव लड़ने वाले उम्मीदन को राम सिंह, ग्रा॰ नुतृहीपुर, मजरै जैरामपुर, पो॰ भागीपुर, सीतापुर, लोक प्रतिनिधित्व भाधनियम, 1951 तथा तथ्धीन बनाए गए नियमो हारा भपेक्षित रीनि से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखाल करने में भसफल रहे हैं:

गौर यतः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, कु इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है गौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रस-फसता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम सिंह को संसद के किसं। भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/145/80(28)]

ORDERS

New Delhi, the 10th March, 1981

O.N. 199.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Singh, Village Tutuhipur, Majre Jairampur, P.O. Bhagipur, Sitapur, a contesting candidate for general election of the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 145-Ramnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules, made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/145/80(28)]

आ० %० 200.——यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 145-रामनगर, निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्यामसुन्दर, रामनगर, ब्राराबंकी लोक प्रतिनिधिस्व प्रधि-धनियम, 1951 तथा सद्धीम बनाए गए निथमों द्वारा प्रपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने मे ग्रसफल रहे है;

ग्रीर यत', उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पाम इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है:

मतः भवं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवृद्वारा उक्त श्री स्थाम सुन्दर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयका विधान परिषय् के सदस्य कुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की नारीख मे तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्सित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/145/80(29)]

O.N. 200.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Sunder, Ramnagar, Barabanki a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 145-Ramnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after lue notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Sunder to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legis'ative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/145/80(29)]

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1981

श्रा० थ्र० २०१ :-यतः, निर्वाचन ग्रायोग का संगाधान हो गया है कि मई, 1981 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 131 जलालपुर निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री राम अवध यादव, ग्राम नगरपुर, पो. पवई, तहु० फूलपुर, जिला धाजमगढ़, लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनयम, 1951 तथा तद्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रम-लसा के लिए पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

मतः श्रव, उनतं श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री राम श्रवध यावव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस शादेश की तारीख से तीम वर्ष की कालावधि के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र० वि०स० 131/80/(35)]

New Delhi, the 13th March, 1981

O.N. 201.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Awadh Yadav, Village Lagarpur, P.O. Pawai, Tehsil Phulpur, Dist. Azamgarh a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 131-Jalalpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declare the said Shri Ram Awadh Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/131/80(35)]

मा०अ० 202.——यत: निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 134-प्रयोध्या निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री राम कुमार, प्राम रायपुर, पोठ कोटसराय, फैनाबाद, (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधिस्व प्रिधितयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित घ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में मसफल रहे हैं;

भौर यतः, उनतः उम्मर्शः दवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

मतः मतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वावन आयोग एतदक्कारा उक्त श्री राम पुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य भूने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख ने तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्श्ति योधित करतः है।

[सं उ०प्र०-वि॰स०/134/80(36)]

O.N. 202.—Whereas the Election Commission is satisfied shri Ram Kumar, Village Raipur, P.O. Kotsarai, Falzabad (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 134-Ayodhya constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said oct, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of learnent or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/134/80(36)]

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1981

आां का 203 — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्फ, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 63-तिलहर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्रमर सिंह, ग्राम गुरगवा, तहसील तिलहर, जिला भाहजहीपुर, लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधित्यम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रेपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और निवाचन ग्रायोग का यह समाधाम हो गवा है कि उसके पास इस ग्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

भ्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन धायोग एतद्वारा उक्त श्री धमर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा धयवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस मादेश की तारीच से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहित घोषित करता है।

[सं० **उ०प्र०-वि०स०/63/80(66)**]

New Delhi, the 20th March, 1981

O.N. 203.—Whereas the Election Commission is satisfied Shri Amar Singh, Village Gurgawa, Tehsil Tilhar, Distt. Shahjahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 63-Tilhar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Amar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/63/80(66)]

आर अ० 204 — यत, निर्वाचन आयोग का ममाधाम हो गवा है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 63-निमहर निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने जाले उम्मीदबार श्री राम भरोसे, प्राम गोट्टिया अन्, तहसील तिलहर, जिला साहजहांचुर, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों धारा प्रपेकित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे है;

भौर यतः, उक्त उम्मीववार ते, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टं भरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाक्षान हो गया है कि उसके पाम इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री राम भरोसे को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विश्वान सभा अथवा विश्वान परिचव के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीच से सीम वर्ष की कासाविध के लिए निर्राहम धोविस करसा है।

[सं० उ०प्र**०-वि०स०/83/80(** 97)]

O.N. 204.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bharose, Village Gautiya Attu, Tehsil Tilhar, Distt. Shahlahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legisluive Assembly held in May, 1980 from 63-Tilhar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bharose to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/63/80(67)]

नई विल्ली, 24 मार्च, 1981

मं ० अ ० 205.—यतः, निर्धाचन का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्धायन के लिए 40-पड़रोना निर्वाचन क्षेप्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार भी रमाणंकर राम, ग्राम व पोस्ट क्षांगा, देवरिया, लोक प्रतिनिधित्व प्रक्षिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में धमफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भयवा स्वब्दीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायोजिस्य नहीं है;

भनः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रतृमरण में निर्वाचन भायोग एलवढ़ारा उक्त श्री रमाणंकर राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मना भ्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से मीम क्षे की कालाचिष के लिए निरिह्त घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स•/40/\$0(12)]

New Delhi, the 24th March, 1981

O.N. 205.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramashankar Ram, Village & P.O. Jhanga, Deoria, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 40-Padrauna constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramashankar Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/40/80(12)]

आं अं 206 --- यत . निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40-पहरोना निर्वाचन के लिए 40-पहरोना निर्वाचन के ले चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार क्षी सुजाक अली, ग्राम० व पां० कोहरपड़ी, देवरिया, लोक प्रतिनिद्धित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन थ्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिये आने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वायौनित्य नहीं है;

श्रतः यज्ञ, उक्त भ्राधिनियम की धारा 10-क के भ्रतुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतदद्वारा उक्त श्री सुजाक श्रामी को संसद के फिसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जामें भीर होने के लिए इस भ्रादेश की नारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषत करना है।

[सं० उ० प्र०-लो० स०/40/80(13)]

O.N. 206.—Whereas the Election Commission is satisfied Shri Sujak Ali, Village & P.O. Kohargaddi, Deoria, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 40-Padrauna constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sujak Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative to ouncil of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/40/80(13)]

आ० ३०७.--या: निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 168-बस्ती निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने बाले उम्मीद-बार श्री भीखीराम, इफाली टोला, पुरानी बस्ती, वस्ती, (उ०प्र०), लोल प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 नथा सदधीन बनाए गए, गियमो द्वारा प्रऐक्तिन खणने निर्वाचन व्ययों वा कोई भी लेखा दाखिल फरने में प्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक मूचना विए जाने पर भी, इस अगकलना के लिए कोई कारण अथवा स्प्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलता के लिए कोई पर्योग्त कारण या न्यासीचित्य नहीं है;

श्रात. ग्रम, उत्तन श्राधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतदहारा उक्त श्री भीखी राम को संसद के किमी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के स्थम्य चुने जाने धीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालवधि के लिए निर्माहन घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०म०/168/80(78)]

O.N. 207.—Whereas the Election Commission is satisfied Shri Bhikhi Ram, Dafali Tola, Purani Basti, Basti (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 168-Basti constituancy has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made the sounder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhikhi Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Patliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/168/80(78)]

क्षां का 208. ---यत निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान गभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 52-वरेली मिटी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दिनेण चन्द्र शर्मी, 415, श्रालमगिरी गंज, बरेली, लोक प्रतिमिश्चरूच श्रीधिनयम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रूपेक्षित भ्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रमुक्त रहे हैं:

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पक्ष सूचना दिए जो पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नशी दिया है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

द्यतः प्रव, उनन प्रधिनियम की धारा 10-कं के धनुमरण में निर्वाचन धायोग एतदद्वारा उनन श्री दिनेण चन्द्र शर्मा की संभद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान गरिषद् के सदस्य जुने जाने धीर होने के लिए इस प्रविण की नारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहन घोषित करता है।

[#০ ড০প্র০-বি০শ০ 52/80 (79)]

O.N. 208.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dinesh Chandra Sharma, 415-Alamgiriganj, Bareilly, a contesting candidate for general election to the Ultar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 52-Bareilly City constituancy has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Dinesh Chandra Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of

Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/52/80(79)]

भा थ थ 209.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण मिर्वाभन के लिए 52-बरेली सिटी निर्वाचन क्षेत्र से बुनाव लड़ने वाले उम्मीवार श्री सवा राम लोधी, 370 फाल्गुन गंज, बरेली, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उकत अम्मीदवार में, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस धसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह सभाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या ग्यायौचित्य नहीं है।

ग्रतः ग्राब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाक्षम श्रायोग एतदहारा उक्त श्री मदा राम लोधी को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेग की तारीख से तीन वर्ष की कालाविष के लिए मिर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र० वि०स०-52/80(80)]

O.N. 209.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sada Ram Lodhi, 370, Faltoon Ganj, Bareilly, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 52-Bareilly City constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sada Ram Lodhi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/52/80(80)]

क्षां अ 210. — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-शाहजहांपुर निर्वाचन क्षेत्र से चृताव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री कमनदीन, मो ताजूबल, शाहजहांपुर, लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रोपेक्षित भ्रमने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा बाब्जिल करने में भ्रमफल रहे हैं;

भीर यन, उन्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है।

ग्रतः ग्रब, उनन श्रिधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतबद्वारा उनन श्री कमरद्दीन को संमद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के मबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्रोहत घोषिन करना है।

[सं० उ०प्र०-वि०स० 66/80(86)]

O.N. 210.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kamruddin, Mo. Tajukhel. Shahjahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Le-

gislative Assembly held in May, 1980 from 66-Shahjahanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Kamruddin to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/66/80(86)]

आं अ 211.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-शाहजहापुर निर्वाचन के तेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री मुजफ्फरहुसेन, ग्राम मुंडेरी, तहसील सदर, शाहजहांपुर, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, ७६त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही विधा है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एत्रबद्वारा उक्त श्री भुजफ्कर हुसेन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथका विधान परिषद् के सदस्य भुने जाने भीर होने के लिए इस ग्रादेश की नारीख़ से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्सहन भोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स० 66/80(87)]

O.N. 211.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Muzaffar Hussain, Village Bhuderi, Tehsil, Sadar Shahjahanpur, a contesting candidate for general election to the Utter Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 66-Shahjahanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Muzaffar Hussain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/66/80(87)]

आं अ 212.—-यतः निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-शाहजहांपुर निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राष्ट्रेयाम, मो० बहाबुरगंज, शाहजहांपुर, लोक प्रतिनिधित्व द्यिधितयम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः उक्त उम्मीदवार ने, सम्यकं भूचना विष्, जाने पर भी, इस भासफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माणन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस-भासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है; ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग का एतदद्वारा उक्त श्री राधेश्याम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादंश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्साहन घोषित करता है।

[सं० उ०प्र० वि०स० 66/80(88)]

O.N. 212.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radhey Shyam, Mo. Bahadurganj, Shahjahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 66-Shahjahanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radhey Shyam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/66/80(88)]

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1981

आं अं 213.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग ,का समाधान हो गया है कि जनवरीं, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 37-बासगांच (ग्र०ज०) निर्वाचन केंन्न से जुनांब लड़ने वाले उम्भीदवार श्री मिनकू, ग्राम सिकरीडीह बुजुर्ग, पो० निकरीगंज, जिला गोरखपुर, लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तबधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नही है,

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा श्री सिनकू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र० सो०स०/37/80(14)]

New Delhi, the 25th March, 1981

O.N. 213.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jhinku, Village Sıkridih Bujurg, P.O. Sikriganj, Dist. Gorakpur, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 37-Bansgaon (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jhinku to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date if this order.

[No. UP-HP/37/80(14)]

कार अर्थ 214.—यसः, निर्वाचन भाषीग का ममाधान हो गया है कि जनकरी, 1980 में हुए लोज सभा के लिए नाधारण निर्याचन के लिए 37-बास गांच (श्र०जा०) निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मिश्री लाल, ग्राम जगनियां उर्फ शाहपुर जिला गोरखपुर, लोक प्रति-निधित्य प्रधिनियम, 1951 नथा नश्धीन वनाए गए निरमों बारा प्रवेक्षित प्रपत्ने निर्वाचन क्ययों का कार्ड भी लेखा वालिन करने में श्रमकत रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्प्रक सूचना दिए श्राने पर भी, इस असफलत के लिए कोई कारण अयवा स्पन्धीकरण नहीं विया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पात इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोवित्य नहीं है;

ग्रतः प्रव, उत्तर प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भाषोग एतदद्वारा उक्त श्री मिश्री लाल को सनई के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयका निधान परिषद के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करना है।

[मं० उ०प्र०-लो०म०/37/80/(15)]

O.N. 214.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mishri Lal, Village Jignia Urf Shahpur, Dist. Gorakhpur, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 37-Bansgaon (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mishri Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/37/80(15)]

नई विल्ली, 27 मार्च, 1981

आ० 215.—व्यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 301 भ्रोरैया निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री संतोष कुमार, जमुना रोड, श्रोरैया, जिला इटावा, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित भ्रपने मिबचिन क्यमों का कोई भी लेखा दाखिन करने में भ्रमकन रहे हैं;

भौर यतः, उन्नत जन्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असपहता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नष्टी दिया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि जनकंपाम इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

भतः भवः, उमन मधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन प्रायांग एसवद्वारा उपत संतोष कुमार को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और हौने क लिए इस मादेश की ताराख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ उ०प्र०-वि॰स॰/३०1/८०/(८९)]

New Delhi, the 27th March, 1981

O.N. 215.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Santosh Kumar, Jamuna Road, Auraiya Distt. Etawah, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 301-Auraiya constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said caudidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Santosh Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/301/80(89)]

आंश्वार 216 .-- यतः, निर्वाधन प्रायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रयेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 301 प्रार या निर्वाधन क्षेत्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री हरीश कुमार मुहल्ला पढ़ीन वरवाजा, कस्या धोरैया, जिला इटावा, लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा नवधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्षित आने नवधिन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में धमफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उपके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायोचित्य नहीं है;

धतः ग्रब, उक्त धिंतियम की घारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतवढ़ारा उक्त श्री हरीश कुमार को संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस धावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिन घोषिन करना है।

[सं॰ उ०प्र॰ वि॰स॰/301/80(90)]

O.N. 216.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harish Kumar, Mohlla-Padhin Darwaja, Kasba Auraiya, Disti. Etawah, a contesting candidate for general election to the Uttar Pracesh Logislative Assembly held in May, 1980 from 301-Auraiya constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Harish Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/301/80(90)]

नई विल्ली, 30 मार्च, 1981

आंश्वर 217 — पतः निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 31-बहराइच निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सालिक राम मो० बेचूवावा, इकोना, बहराइच, लोक प्रतिनिधित्व धिश्वित्यम, 1951 सथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित ध्राने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा धार्षिल करने में प्रसफल रहे है।

भौर थन', उस्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भौर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस झमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

ग्रनः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एनश्वारा उन्न श्री सानिहराय को सपद के हिसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सन्। अयंबा विधान परिषय के सबस्य को जाने और होने के लिए धन धावेश की नारीख से तीन नर्प की कानाविधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

मिं० उ०प्र० लो**०** ग०/31/80(16)]

New Delhi, the 30th March, 1981

O.N. 217.—Whereas the Election Commission is satisfied that that Shri Salik Ram, Mo. Bhichubaba, Ekauna. Baharaich, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 31-Bahraich constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the bletton Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Salik Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/31/80(16)]

आ० अ० 218.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 48-प्रांथला निर्वाचन केन्न से जुनाव लड़ने वाले उम्मीव-बार श्री हेमपाल सिंह, राजपुर कलां, बरेली, लोक प्रतिनिधित्व भिधिन्यम, 1951 तथा नवधीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रीकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में अमफल रहें हैं;

श्रीर यतः, उक्त जम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्मष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

श्रात अब उक्त श्रिधितयम को धारा 10-क के श्रानुसरण में निर्वावन श्रायोग एतदब्वारा उक्त श्री हैमपाल सिन्न को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की दिधान सभा श्रयका विज्ञान परिषद के सहस्य खुने जाने और होने के लिए इस प्रादेग की नारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्हित धोषित करना है।

[सं० उ०प्र० वि०म०/48/80(96)]

O.N. 218.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Hempal Singh, Rajpur Kalan, Bareilly, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 48-Amla constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hempal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a Stafe for a region of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/48/80(96)]

आंब्जि 219.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समात्रान हो गया है कि सर्छ, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विदान सभा के लिए सात्ररण निर्वाचन के लिए 57-पीलीभीत निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भक्दुल मात्र्व, मो० मोहम्मद वासिल, पीलीभीत, लोक प्रतिनिधिस्व अर्थिका । १०६) तथा परशीत पताए गए नियमों द्वारा अवेजिस अपन निवासन व्यया का काई भी लेखा दाखित करने में सम्रकत रहें हैं:

भीर यतः, उक्त उम्मीदक्षार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

श्रातः श्रात्र, उत्तन श्राधिनियम की धारा 10-क के श्रानुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रब्दुल श्रावृत को संभव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान गभा श्रथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से नीन वर्ष की कालानधि के लिए निर्माहन घोषिन करना है।

[मं० उ०प्र०-वि०म०/57/80(97)]

Q.N. 219.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Mubood, Mo. Mohammad Wasil, Pilibhit, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 57-Pilibhit constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abdul Mabood to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State fot a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/57/80(97)]

भाः आ॰ 220. — यतः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-सीतापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जयमारायण सुक्ला, ग्राम बहाराइच, पो॰ माहोली, जिला मीतापुर, लोफ प्रतिनिधिस्व प्रधिनयम, 1951 तथा तबधीन बनाए गए निथमों द्वारा प्रपेक्षिस अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धमफल रहे हैं ;

धौर यम:, उसन उम्मीदवार ने, सम्यक मूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलना के लिए कोई पर्योग्त कारण या त्यायोशिस्य नहीं हैं,

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एनव्यारा उक्त श्री जयनारायण मुक्ला की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस ग्रावेण की नारीख से तीन यर्प की कालाविध के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[मं० उ० प्र० यि०म०/79/80(98)]

O.N. .—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jainarayan Shukla, Village Bahrapur, P.O. Maholi, Distt. Sitapun, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 79-Sitapur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure; 100 GI/81—2

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jainarayan Shukla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/79/80(98)]

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1981

आंश्आा 221---थतः, तिर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 58-बरखेड़ा (घ्रश्जाः) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाल उम्मीदवार श्री राजाराम, मो॰ मोहनशिम खा, पीलीभीस, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नया सबधीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा बाखिल करने मे असफल रहें हैं;

भीर अत. उकत उस्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस अभक्तता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्र नहीं हैं,

प्रतः; प्रवः, उपन प्रीक्षितियमं की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन शायोग एनदद्वारा उक्त श्री राजाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथका विधान परिषद के सबस्य जुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषिय करना है।

[सं০ उ०प्र० वि०स०/58/80(99)]

New Delhi, the 31st March, 1981

O.N. 221.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raja Ram, MO. Mohatshim Khan, Pilibhit, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh legislative Assembly held in May, 1980 from 58-Barkhera (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raja Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the I egislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/58/80(99)]

आंश्रां 222.—पतः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्ज, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 59-बिसालपुर निर्याचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पुत्तन, मो० हवीबुलना खाँ (व०) बीरालपुर, जिला पीलीभीत, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अभेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी सेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत', उक्त उम्मीदनार ने, सम्यक भूचका हिए जाने पर भी, इम श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एनवड़ारा उक्त श्री पुचन को संसद के किसी भी सदन के या। किसी राज्य की विधान सभा श्रयमा विधान परिषय के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहिन घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०म०/59/80(100)]

O.N. 222.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Putan, Mo. Habibliah Khan (S) Bisalpur, Distt. Pilibhit, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 59-Bisalpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Puttan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/59/80/(100)]

कां अ० 223 --- यनः निर्वाचन का सोधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए ति प्रतिपुर निर्यानन के लिए ति प्रतिपुर निर्यानन के लिए ति प्रतिपुर निर्यानन के लेख से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हंसराम, ग्राम मुल्तानपुर, तह प्रवायां, जिला भाह जहांपुर, लोक प्रति-निर्धित प्रियिनयम, 1951 तथा तवधीन वताए गए नियमों द्वारा प्रदिक्ति प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाजिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार में, तम्यक सूचना विए जामे पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इम श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है:

श्रतः श्रवः, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन धायोग एतदहारा उक्त श्री हंसराम को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अथवा विश्वान परिषद् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीन्त्र से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/60/80(101)]

O.N. 223.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hans Ram, Village Sultanpur, Tehsil Puwayan, Distt. Shahlahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 60-Puranpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hans Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

नहीं विल्ली, 1 भन्नील, 1981

आंश्वर 22 1.-- याः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 371 गंगीनी निर्वाचन क्षेत्र से चूनाय लड़ने वाले उम्मीववार श्री भूदेव गिह वर्मा, ग्राम लधुपुरा, गो० छर्रा, जिला ग्रायोगक (उण्डाक) लोक प्रतिनिधित्य ग्राधिनयम, 1951 तथा तवधीन यनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के भ्रत्यर नथा रानि से निर्वाचन स्थाने का लेखा वाचिल करने में ग्रामफल एहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा विष्, गए श्रध्यानेवन पर विचार करने के पश्चात निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाद्याम हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीचित्य नहीं हैं;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री भृदेव सिह वर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान गरिनद के सबस्य चुने जाने और हाने के लिए इस प्रादेश की शारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं० उ०प्र०-वि०भ०/371/80(104)]

New Delhi, the 1st April, 1981

O.N. 224.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhoodev Singh Verma, Village-Ludhpura, P. O. Chharra, District-Aligarh; Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 371-Gangiri constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shrl Bhoodev Singh Verma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/371/80(104)]

आ अ 225 -- यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 70-महमूदाबाद निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री विद्याधर, वकहुआ बाजार, मीतापुर, लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 नथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित ध्रमने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल बरने में ध्रमफन रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदियार ने, सम्प्रकः सूचना विए जाने पर भी, इस स्नमकलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई गयान्त कारण या स्थायोचस्य नहीं है;

कतः ग्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के बनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवज्ञारा उक्त श्री विद्याधर को संसव के किसी भी भवन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अववा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भावेण की भारीन्त्र से तीन वर्ष की कारा।विध के लिए निर्राहित घोषिस करमा है।

[ন্ত ভত সত-ৰিত্শত/76/80(105)]

O.N. 225.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vidyadhar, Wakhuwa Bazar, Sitapur a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 76-Mahmudabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failute and the Eiection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failute;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vidyadhar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/76/80(105)]

नई दिल्ली, 2 मप्रैल, 1981

काः कः 226--यतः, निर्वाचन प्रायाः। पा समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोगनमा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 53-राबर्टसगंज (ग्राजाः) निर्वाचन केल में चुनाय राहने वाले उम्मीदवार की स्थुनायप्रसाद 109/384, रामकृष्ण नगर, जानपुर लोक प्रतिनिधिस्व प्रविति ।म, 1951 नया तयु ित सनाए पर पि ति विश्व प्रपति अपनि निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेदा दाखान करने में श्रमफत रहे हैं;

ग्रीर यतः, उनन उम्मीदयार ने, सम्यक सूचना थिए जाने पर भी, इस श्रसकलना के लिए कोई कारण श्रथवा राष्ट्रीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफनना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

भनः प्रथा, उक्त पश्चितियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में नियंत्रिक भागोग एत्व्द्वारा उक्त श्री रख्नाण प्रसाद की ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा श्रथवा विष्टान परिषद के सदस्य चुने जाने छीर होंगे के लिए इस श्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की शालाविध के लिए निर्रोहन छोपिन करता है।

[মৃত এত্রত লাত্মত/53/30(19)]

New Delhi, the 2nd April, 1981

O.N. 226.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raghunath Prasad, 109/364, Ramkrishan Nagar, Kanpur, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 53-Robertsganj (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raghunath Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/53/80(19)]

आं अं 227.— धन', निर्वाचन थायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 71-बेहटा निर्वाचन केले से मुनाव लक्ष्म वाले उम्मीचवार श्री युजई राम (१८० जा०). उमिरिया, मजरा पिपरिया भवफर, जिला सीतापुर, लोक महानार्धास्व मधिनियम, 1951 तथा विद्वीच वालए गए मिममों द्वारा अवेक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अभकत रहे हैं;

भीर यतः, उसत जम्भीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस शराफला तेः लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नी दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफनता के लिए कोई प्याप्ति कारण या न्यायोचित्य नही है,

शत प्रन, जनत श्राधिनियम की धारा 10-क ने भ्रनुसरण में निर्वाचन भाषांग एलद्शारा जनत श्री वृज्धे राम (भ्रवणाव) को संसद के जिसी भी सदन के या किशी राज्य की विधान सभा ध्यया विधान परिष्य के नदस्य चुन जाने और होने के लिए इस धादेश की सारीख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्मृत घोषिल करता है।

[सं० उ०प्र**०-वि०**स०/74/80(108)]

O.N. 227.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dujai Ram (SC), Umaria, Majro Pipatiya, Bhadfar, Distt. Sitapur a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 74-Behta constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dujai Ram (SC) to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/74/80(108)]

भा० थ० 228.— वतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के थिए 74-बेहटा निर्वाचन केन्न से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री माताप्रभाद, बेलामन कलां, मुमताजपुर, जिलासीतापुर, लोक प्रतिनिधित्य श्रीधितियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने नियंचन प्रयों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ससफल रहे हैं;

भीर यतः, उकत उम्भीदशार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इन असफलता के लिए कोई कारण भववा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भागोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

भनः प्रज, उक्न प्रधिनियम की धारा 10-क के भनुगरण में नियांचन आयोग एनदहारा उक्त श्री मासा प्रमाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को निधान सभा अथवा निधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए सं आदेश की नारीख से सीन नवं की कालावधि के लिए निरहित बांधिन करना है।

[सं० उ०प्र०-षि०स०/74/80(109)]

O.N. 228.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mata Prasad, Welamaukalan, Mumtajpur, Sitapur a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 74-Behta constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the sald candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mata Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/74/80(109)]

नहीं दिल्ली, 4 मप्रैल, 1981

अ। अ० 229.— यत, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हा गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विश्वान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 61-पुनाया (ग्र०जा०) निर्वाचन क्षेत्र सं चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ऋषिदेव, निवामी, जेंग रहीमपुर, नहसील जलालावाव, जिला शाहजहां-पुर, लोक प्रनिनिधित्व प्राधितियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो हारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मैं प्रसफल रहें हैं,

भीर यत, उभन उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए, जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नही विद्या है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है;

मत मज, उनन भिधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन धार्यांग एतह्वारा उनन श्री ऋषिदेव को समद के किसी भो सदन के या किसी राज्य की विधान सभा मथवा विधान परिषव के सबस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस आवेश की तारीख के तीन वर्ष की कालाबिध के लिए निर्हित-धोषिन करना है।

[स॰ उ॰ प्र॰-वि॰स॰/61/80(111)]

New Delhi, the 4th April, 1981

O.N. 229.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rishidev, R/o Jera Rahimpur, Fehsil Jalalabad, Distt. Shahjahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 61-Puwayan (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the sald candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rishidev to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/61/80(111)]

आं अा० 230 ---- यत निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 61-पुकायां (प्राच्चाच) निर्वाचन के से सुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाबूराम, मो० कसभरा, पुवायां, जिला शाहजहापुर, लोक प्रतिनिधित्व माधिनियम, 1951 नथा त्रंदीन बनाए नए नियमो द्वारा मधिक्त प्रपने मिर्वाचन अथ्यों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ममफल एहे हैं;

श्रीर यन उत्तन उम्मीदवार ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रप्तः श्रव्यः, उक्तः श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्तः श्री बावृ राम को समद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राष्ट्रक श्रीषित करना है।

[ম০ তত্ম০-বিতম০ 61/80(112)]

O.N. 230.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrl Babu Ram, Mo. Kasbhara, Puwayan, Distt. Shahjahanpur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 61-Puwayan (SC) constituency has failed to lodge an

account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Babu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/61/80(112)]

नई दिस्ली, 6 मुत्रैल, 1981

क्षां अप 231 — यत निर्वाचन भायोग का नमाधान हो गया है कि मई, 1980 में क्षुण उसर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 328-झासी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुझालाल, 20-गोखलेनगर, कोच, झासी (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधत्य प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन वनाए गए निगमी द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

शौर यन उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जान पर भी, इस असफलना के लिए काई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया हैं और निर्वाचन आगोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्यान्त कारण या न्यायौचित नहीं है,

श्रत भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्धानन गायाग एतद्वारा उक्त श्री मुद्रा लाल को समद के किमी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिएद के सदस्य चूने जाने धौर होने के लिए हम श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्माहन घोषीन करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰-बि॰ स॰/328/80(113)]

New Delhi, the 6th April, 1981

O.N. 231—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Munna Lal, 20-Gokhale Nagar, Konch, Distt. Jhansi (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 328-Jhansi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shil Munna Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/328/80(113)]

आं अ 232 — थरा निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 328-सांभी निर्वाचन के से सुनाव राउने वाले उम्मीदवार श्री रमेश श्राज्ञाद 137-स्वरमाना, क्रांसी, (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रमेक्षित प्रपने निर्वाचन अपयो का कोई लेखा दाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं,

श्रीर यत उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूपना दिए जाने पर भी, इस भ्रफसलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण महीं दिया है भीर निवाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पाग इस श्रमफनता के लिए पोई पर्यात कारण या न्यायोजिन नहीं है; श्रम श्रम, उसन श्रिष्ठित्यम की धारा 10-कं के श्रमुमरण में निर्धाचन श्रायांग एनव्यारा उकत श्री रमेश श्राजाव को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जान श्रीर होने के लिए हम श्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[स॰ उ० प्र॰-वि॰स॰ 328/50(114)]

O.N. 232.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Ramesh A7ad, 137, Hajaryana, Jhansi (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 328-Jhansi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramesh Azad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/328/80(114)]

नई विरुन्।, 7 अप्रैस, 1981

म्रा० अरु 233.—स्वतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 7-करोल बाग (म्र० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री कालूराम, मं० नं० 5261, गली न० 7, कृष्णा नगर, दिल्ली लोक प्रिनिधित्व म्रिधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो अरा ग्रेपे- श्रित श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उत्तत उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्धाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के निए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

ग्रनः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्वारा उक्त श्री कालू राम की संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भावेण की नारीख से नीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्माहन घोषित करता है।

[म० दिल्ली-लो० म०/7/80(1)]

New Delhi, the 7th April, 1981

O.N. 233.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalu Ram, H.No. 5261, Gali No. 7, Krishan Nagar Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 7-Karol Bagh (S.C.) constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kalu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Courseil of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/7/80(1)]

भा० भा० 234 — यतः, निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 7—करोल बाग (प्रा० जा०) निर्वाचन के तेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीबार थीं: बाबूलाल टोरी, 4945/40, रैगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली, लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 नथा तब्धीन बनाए गए नियमा द्वारा प्रपेक्षित समय के प्रन्दर तथा जीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

और यत , उन्त उम्मीदवार द्वारा किये गये भ्रन्यावेदन पर विचार करने के पश्चाम्, निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है.

धन छव. उन्न प्रधिनियम की धारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनव्द्वारा उक्त श्री वाबू लाल टोरी को मंमव् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सक्ष्म चुन जाने भीर होने के लिए इस आदेण की नारीख से तीन वर्ग की कालायधि के लिए निर्माहत घोषिम करना है।

[स० दिल्ली-लो० स० 7/80(2)]

O.N. 234.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Babu Lal Tori, 4945/40, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 7-Karol Bagh (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Babu Lal Tori to be disqualified for being chosen as, and for being, a member or either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/7/80(2)]

आ० अ० 235.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 86-हरदोई निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीर राम प्रताप मिंह, ग्राम उदरा, नेवालिया, डा० उदरा, जिला हरदोई, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रवेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्योग का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

गौर यत उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया हैं भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासौजित्य नहीं है;

अन भ्रवं, उक्त श्रक्षिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्शारा उक्त श्री राम प्रनाप सिह को संसव् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की निधान सभा श्रयथा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रावेण की नारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषिन करना है।

सिं**० उ० प्र**० वि० य० 86/80(115)]

O.N. 235.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Pratap Singh, Village Udra Newalia, P. O. Udra, Distt. Hardol, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 86-Hardol constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, ever after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Pratap Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/86/80(115)]

क्षां अव 236.—यम, निर्धाचन प्रायोग का समाधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 88-पिहानी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदशार श्री दिनेश चन्त्र, मो दिनेश्यांत, कस्वा णाहाबाद, हरदोई, लोक प्रतिनिधित्य प्रिष्ठितमा, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेशित श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफ्त रहे हैं.

भौर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया हैं भौर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौक्षित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उन्त श्रिशित्यम की धारा 10-कं के श्रन्सरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्यारा उन्त श्री दिनेश चन्द्र को संसद् के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयना विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावंश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स० 88/80(116)]

O.N. 236.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dinesh Chandra, Mo. Dilerganj, Kasba Shahabad, Hardoi, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 88-Pihani constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dinesh Chandra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/88/80(116)]

आ० अ० 237 ---यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 88-पिहानी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाथ लड़ने वाले उम्मीवधार श्री राम सिंह, सरेल, पो० राया, जिला हरवोई, लीक प्रतिनिधित्व अधिनिधम, 1951 लया नद्बीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन स्थापे का लेखा वाखिल करने में असफल रहे है;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदश्वार ने, सम्यक् सूचना विष्, जाने पर भी, इस ससकपता के लिए कोई कारण प्रथया स्मध्यीकरण नहीं दिया हैं धौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रयकणता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौषित्य नहीं है;

इ.स.: शब, उना पधिनियम की धारा 10 क के अनुमरण में निवीचन आयोग एनवृतारा उक्त श्री रामसिंह की मंगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान राभा अथवा विधान परिषद् के सवस्य पुने जाने और होते ने लिए धादेश इस की नारीख से तीन धर्ष की कालाधिक के लिए निर्णाहित धाषिस करना है।

[ম০ ৭০ স০ বি০ শ০৪১/৪০(117)]

O.N. 237.—Whereas the Election Commission is satisfied that Ramsingh, Village Sarehaloo, P.O. Rabha, Distt. Hardoi, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 88-Pihani constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramsingh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/88/80(117)]

का॰ अ॰ 238 ---या:, निर्वाचन धार्याम का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 90-बिलग्राम निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम सरन, गाम छाछपुर, डा॰ मन्द्रापुर, तहमील बिलग्राम, जिला छएवोई, लोक प्रतिनिधिन्य श्रीधिनियम, 1951 सथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्वेकित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई श्री लेखा शिक्वल करने में असफल रहें है;

भीर यतः, उकत उम्मीयजार में, सम्यक् सुचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलसा के लिए कोई कारण श्रयंत्रा सम्ब्शिकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसने पाम इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

धनः सब, उक्त प्रधिनिधम की घारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री राम गरन की मंसद के किसी भी सबन के या गिसी राज्य की विद्यान सभा अवका विद्यान परिवद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहिन घोषिन करना है;

[सं० उ०स०-थि॰ प्र०/90/80(118)]

O.N. 238—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramsaran, Village Chhochhpur, P.O. Mansurapur, Tehsil Bilgram, Distt. Hardol, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 90-Bilgram constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made theteunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, he's not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramsaran to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/90/80(118)]

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1981

आ० अ० 239.--यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश निर्मान सभा के निर्माण प्रिमीवन के लिए 85-अहिरोरी (प्र० णा०) निर्वाचन क्षेत्र से मुनाव लड़ने वाले उम्मीवयार की राम भरोने ग्रा० डा० बालामऊ, जिला हरदोई, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सदकीन बनाए गए निषमी द्वारा अमेकित

भ्रयमे निर्वाचन व्यथों का कीई भी लेखा शाखिल करने में अपकर रहे हैं, भ्रीर यतः, जनम जम्मां दक्षार ने, सरयक् सूचना विष् जाने पर भी, हम भ्रमक, श्रान के लिए कोई कारण क्रयदा संप्ट करण नहीं विया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकनता के लिए कोई प्राप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

धनः धवः, उक्त धिधनियम की धारा 10-क के अनुभरण में निर्वाचन आयोग एसद्वारा उक्त श्री शम भरोमें को संसद् के पिसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीरहोने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्शति पोलिक फरमा है।

[सं० उ० प्र० वि० ग०/85/80 (119)]

New Delhi, the 8th April, 1981

O.N. 239.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bharose, Village-P.O. Balamau, District Hardoi, a con esting candidate for general election to the Uttar Piedesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 85-Ahirori (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bharose to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of ei her House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-J.A/85/80(119)]

भा० भा० 240: — यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए स9-शाहाबाद निर्वाचन केल से चुनाध लड़ने वाले उम्मीदधार श्री ज्वाला शंकर, मो० दिनेरगंज, कम्बा शाहाबाद, जिला हरदोई, लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा लदधीन बनाए गए नियमों हारा अपेकित रीति से भएने निर्वाचन ज्ययों का लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहें हैं।

भीर ग्रेस:, उक्स उम्मीदिवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी इस ध्रसफलता के लिए कोई कारण घषचा स्पष्टीकरण नहीं विया है ध्रीर निर्धा-चन ध्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पांस इस ध्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रम, उनस प्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एसद्दारा उन्स श्री ज्याला गंकर को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयथा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के निए इस शादेश की नारीख में नीन वर्ष की कालाचित के लिए निर्माहित घोषित करता है।

[मं० उ० प्र०-वि० म०/89/80(120)]

O.N. 240.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jwala Shankar, Mo. Dilerganj, Kasba Shahabad Distt. Hardoi a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 89-Shahbad constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jawala Shankar to be disqualified for being chosen as,

and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/89/80(120)]

भारत 241 — यत. निर्वाचन भागांग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 75-विस्मयों निर्वाचन के लिए 75-विस्मयों निर्वाचन के से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दुर्जन, जगनेह्या, राजा करमाई. मीतापुर (यू०पी०) लोक प्रतिनिधित्य श्रीधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित भागे निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यत. उक्त उम्मीवयार ने, सम्थक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलना के लिए कोई कारण श्रथ्या स्वर्धीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायांग का यह समाधान हो गया है कि उभने पास इस श्रमकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिन नहीं है;

श्रतः श्रवः, उश्तः श्रधिनिधम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रासंग एत्व्वारा उक्त श्री दुर्गन को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा थिधान परिषद् के सदस्य चुने आने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश से नीन वर्ष की जानाविध के लिए निर्राहत घोषित करता हैं।

[स०उ०प्र०-वि०सं०/75/80(121)]

O.N. 241.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Durjan, Jagnehaya, Raja Karnai, Sitapur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 75-Biswan constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Durjan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Pauliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. UP-LA/75/80(121)]

आंश्मा० 242. यतः निर्वाचन भायोगं का समाक्षान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 96-भगवन्स नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वागे उम्मीदवार श्री फतेह बहादुर सिंह ग्राम व पो० अकवावाद, जिला उसाय, लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा नव्यीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफन रहे है;

धौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथधा स्पष्टीकरण नहीं विया है और निर्माचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याचन कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

धार. शक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतद्धारा उक्त श्री फनेह बहाबुर सिंह को संमव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा ध्यक्ष विश्वान परिषद के सदस्य चूने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख ने नीन वर्ष की काला-श्रीष्ठ के लिए निर्याष्ट्रिन घोषिन करना हैं।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/96/80(122)]

O.N. 242.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Fatch Bahadun Singh, Village and P.O. Akwabad, District Unnao, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 96-Bhagwant Nagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Fatch Bahadur Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-[A/96/80(122)]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल 1981

क्षां अर्थ 243 — यतः निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 141-हैबर गढ़ निर्वाचन के स्म चुनाय लड़ने याले उद्मां वैदार श्री कुछहरन, ग्राम बहरामपुर, पो० हैबरगढ़, जिला बारावकी, लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 सथा सद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रीक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धाराकत रहे है;

श्रीर यतः, उकत उम्मीदवार ते, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अमकलमा के लिए कोई कारण अथवा स्पन्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हों गया है कि उसके पास इस असफलमा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौवित्य नही है;

धनः श्रव, उक्त धिधिनियम की धारा 10-क के धनुमरण में निर्माचन श्रायोग एतव्दारा उक्तथी दुखहरन को मंसद्के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होंने के लिए इन श्रावेश की मारीख से तीन धर्य की कालावित के लिए निरहिस घोषिन करता है।

[मं० उ० प्र०-षि० म०/141/80(123)]

New Delhi, the 9th April, 1981

O.N. 243.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dukhharan, Village Behrampur, P.O. Haidergarh, Dist! Barabanki, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 141-Haidergarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10.1 of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dukhharan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA /141/80(123)]

नई विष्क्ती, 14 अप्रैल, 1981

का० थ० 244:—यहः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए, 97-पुरवां निर्वाचन केन्ने में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदश्वर श्री धर्म प्रकाण, चन्दनगंज, मौरावां, उन्नाथ, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए सियमों द्वारा प्रविक्षित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यस, जन्त उम्मीदबार ने, सम्यम् सूचना दिए जाने पर भी इस प्रस्कलना के किए नोई कारण श्रयता स्पटीकरण नहीं दिया गरा है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास उस श्रमकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

श्रात श्राय, उक्त श्रीक्षितियम की धारा 10-क के श्रतुसरण में निर्वाचन श्रायोग एसक् हारा उक्त श्री धर्म प्रकाण को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयता विधान परिषद् के सक्त्य खुने जाने और होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाहन घोषिस करना है।

[मैं० उ० प्र०-वि० स०/97/80(124)]

New Delhi, the 14th April, 1981

O.N. 244.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dharm Parkash, Chandanganj Maurawan, Unnao a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 97-Purwa constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of he People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dharm Prakash to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/97/80(124)]

आ० आ० 245.— यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रशेग विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 97-पुरवा निर्वाचन के से बुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रिसक बिहारी श्रीवास्तव, मो० कस्नोलवा, पुरवा, उन्नाव, लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रमकल रहे हैं;

ग्रीर यत, उक्त उम्मीदतार ने, सम्यक सूजना विष्, जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोक्तिस्य नहीं है;

प्रज प्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क ने घनुमरण में निर्वाचन धायोग एनद्द्वारा उक्त श्री रिमक बिहारी श्रीवास्तव को संमद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान मभा धथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्मित घोषिन करना है।

[स॰ उ०प्र॰-वि॰स॰ 97/४० (125)]

O.N 245.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rasik Bihari Shrivastava, Mo. Kastolwa, Purwa, Unnao a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 97-Purwa constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pulsuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii

Rasik Bihari Shrivas'ava to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of his order

[No. UP-LA/97/80(125)]

आं अं 246 — यत, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेण से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 71-एटा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री भगवान, नगला टोडी मजरा चिलौली श्रहमदपुर, डा॰ चिलौली श्रहमदपुर, जिला एटा (यू॰पी॰) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित आपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है,

श्रीर यत, उक्त उम्भीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, हम असफलता के लिए काई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमकलता के लिए कोई पर्यान्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्शारा उक्त श्री भगवान का समद के किसी भी मदन क या किसी राज्य की विधान गभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने आने और होने के लिए इस आदेश की नारीख में नीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्टिन घाषित करना है।

[শ০ বৃৎসাৎ লাভিশৎ 71/80 (20)]

O.N. 246.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagwan Nagla Tori Majia Chiloli Ahmedpui, Post Chiloli Ahmedpui, Disti, Etah (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 71-Etah constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagwan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP HP/71/80(20)]

आं अा अव 247 — यत, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक गभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 71-एटा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री यज्ञ दत्त, 53, श्रुरुणा नगर, एटा (यू ०पी०) लोक प्रतिनिधित्य श्रीतियम, 1951 तथा तद्शीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रुपेक्षित श्रुपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रूसफल रहे है.

और यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए आने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है

श्रत श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुगरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री यज्ञ दक्त को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होन के लिए इस श्रादेश की नारीख से नीन वर्ष की कालायधि ने लिए निर्माहन घोषिन करना है।

[स० उ०प्र०-नो०प०/७१/९११)|

O.N 247.—Whereas the Election Commission is satisfied that the Yagya Dutt 53, Anna Nagar Etah (UP.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 71-Etah constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason of explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, he Election Commission hereby declares the said Shri Yagya Dutt to be disquelified for home chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/71/80(21)]

आ०अ० 248 —यत, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68-फर्नेखाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मान सिंह, ग्राम होतेपुर, पो०आ० बिलमारी जिला फर्नेखाबाद (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तर्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्याचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहे है,

भीर यत., उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूत्रना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है,

श्रम श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्क्षारा उक्त श्री मान सिंह को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयबा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्णहिन घोषित करता हैं।

[सं० उ०प्र०-लो०म०/68/80 (22)]

O.N. 248—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Man Singh, Village Hotepur, P.O. Bilasari, Distt, Laiiukhabad (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Predesh held in January, 1980 from 68-Fairukhabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Repiesen atton of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason of explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act he Election Commission hereby declares the said Shri Man Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No UP-HP/68/80(22)]

आं अं 249 — यत, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68-फर्नेषाबाद निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवबार श्री विद्या सागर, ग्रा० तथा पो० ग्रा० सिरौती, फर्रेषाबाद (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्षित प्रपत्ने निर्वाचन अपयों का कोई भी लेखादाखिल करने में प्रसफ्त रहे हैं,

ग्रौर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण प्रथना स्वष्टीकरण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन भ्रायांग का यह समाधान हो गया है उसके पाग इस भ्रमफलत के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री विद्या सागर को समव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घाषिन करना है।

[सं० उ०प्र०न्नो०स० 68/80 (23)]

O.N. 249.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Vidya Sagar, V. & P.O. Sirauli, Farrukhabad (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from UI ar Pradesh held in January, 1980 from 68-Farrukhabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, he Flection Commission hereby declares the said Shri Vidya Savar to be disqualified for being chosen as, and or being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the adte of this order.

[No. UP-HP/68/80(23)]

आ० अ० 250 — यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68-फर्ठखाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम बाबू बाजपई, 2/245 खनराना, भगवन गली, फर्ठखाबाद (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधितियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

शौर यत , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस अमफलना के लिए कोई कारण प्रथवास्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान, हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रतुमरण में निर्वाचन भायोग एनव्हारा उक्त श्री राम बाबू बाजपई को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य कुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रावेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषिन करना है।

[দঁ০ ড০স০-লা০ন০/68/80 (24)]

O.N. 250.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Babu Bajpai, 2/245, Kharana, Bhagwat St., Farrukhabad (U.P.) a contesting candidate for general election to he Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 68-Farrukhabad constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the railure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Babu Bajnai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/68/80(24)]

आ० अ० 251.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68-फर्रेखाबाद निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदनार बाबा इच्छा चन्द्र मनीब सेवा प्राश्रम, प्रजगंज, पो०भा० फ्लेह्गक, जिला फर्रेखाबाद, लोक प्रतिनिधित्व प्रश्निनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रमफल रहे हैं;

भीर यतः., उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथया स्पष्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौनित्य नही है;

श्रतः श्रव, उक्त भ्राधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयाग एतवृद्धारा उक्त श्री बाबा कृष्ण चन्द्र को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की निधान सभा अथवा विधान परिपद् के सबस्य चुने आने और होने के लिए इस भ्रादेण की नारीका से तीन वर्ष की कालानिध के लिए निर्साहत धोषित करना है।

[सं० उ०प्र०-लो०म० 68/80 (25)]

O.N. 251.—Whereas the Eelection Commission is satisfied that Shri Baba Krishna Chandra, Manob Sewa Ashram, Grajganj, P.O. Fatehgath, Distt, Farrukhabad a contesting candidate for genedal election to the Lok Sabha from Uttar Ptadesh held in January, 1980 from 68-Farrukhabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Baba Krishna Chandra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/68/80(25)]

भी० अ० 252 — यनः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68-फर्रुखाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम भाश्रय दीक्षित, ग्रा० व पो० ग्रा० मनझाना, जिला फर्रुखाबाद, लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रोक्षित ग्रुपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्मक् सूचना विष् जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौदित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निविचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री राम आश्रय दीक्षित का संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख़ से तीन वर्ष की नालावधि के लिए निर्माहत घोषित करना है।

[#০ ড০ঘ০ লাঁ০নত 68/80 (26)]

O.N. 252.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Ashray Dikshit. V. & P.O. Manjhana, Dist'. Farrukhabad a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 68-Farrukhabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, he Election Commission hereby declares the said Shri Ram Ashray Dikshit to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/68/80(26)]

आं अ 253.—यन., निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 70-जलेमर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री वलबीर मिह, ग्राम तिलामई, डा० रेजुझा, तहसील जलेसर, जिला एटा (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रोक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर यत., उक्त उम्मे। व्यार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टाकरण नहीं। विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

द्यतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री दलवीर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स०/70/80 (27)]

O.N. 253.—Whereas the Election Commission l₃ satisfied that Shri Dalwir Singh, Village Tilamai, Post Renjua, Teh, Ialesar, Distt. Etah (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January, 1980 from 70-Jalesar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dalwir Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/70/80(27)]

श्या० अ० 254 --थन', निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 70-जलेसर निर्वाचन केन्न से चुनाव लढ़ने वाले उम्मीद-बार श्री दीवान सिंह, ग्राम ववनपुर काजीपुर, डा० भकरौली, तहसील जलेसर, जिला एटा (उ०प्र०), लोक प्रसिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकिन श्रपने निर्वाचन श्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण श्रयबा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है; मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के मनुमरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री दीवान सिंह का ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा मध्यवा विधान परिषद् के सबस्य जुने जाने भीर होने के लिए इस म्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स०/70/80 (28)]

O.N. 254.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Diwan Singh, Village Badanpur Kajipur, Post Sakrauli, Tehsil Jalesar, District Etah (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 70-Jalesar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Diwan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Patliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/70/80(28)]

आं अं 255.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 70-जलेसर निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-बार श्री नेपाल सिंह, यादव नगर, एटा (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, मम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पब्दीकरण नही दिया है और निविचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफल के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है:

अतः अव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्बारा उक्त श्री नेपाल मिंह को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्त्र चुने आने भीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की का नावधि के लिए निर्राहन घोषित करना है।

[स॰ उ॰प्र॰-सो॰स॰/70/80 (29)]

O.N. 255.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nepal Singh, Yadav Nagar, Etah (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 70-Jalesar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, cve_n after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commussion is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nepal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/70/80(29)]

अगं अ॰ 256.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवर्रः 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 70-जलेसर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार र्था योगेन्द्र सिंह यादव, महात्मा गांधी मार्ग, एटा (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर थतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री योगेन्द्र सिह यादव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्रोहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स०/70/80 (30)]

O.N. 256.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yogender Singh Yadav, Maha ma Gandhi Marg. Etah (U.P.) a contesting candidate for general election to he Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 70-Jalesar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rule made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yogender Singh Yadav to be disqualified for chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/70/80(30)]

आ० अ० 257 — यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण नियाचन के लिए 70-जलेसर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री राम प्रसाद, मकान नं० 28, ग्राम ट्रण्डला खाम, पो० टुन्डना श्रागरा (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इप ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रोर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलत। के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौचित्य नहीं है:

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम प्रसाद को संगद के किसी भी सदन क इन किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लॉ०स०/70/80 (31)]

O.N. 257.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Prasad, House No. 28, Vill. Tundla Kham, Post Tundla, Distt. Agra (U.P.) a con'esting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 70-Jalesar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Represen'ation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candida'e, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore, in pursuance of section 10.A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/70/80(31)]

आ० अ० 258.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 70-जलेसर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री सुखवासी, मकान नं० 216 ग्राम सोना, पोस्ट टून्डला, जिला ग्रागरा (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, मम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस असकता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्र नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धार। 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुखवासी को मंगद के किसी भी मदन के या किसी राज्य को विवान सभा श्रयवा विधान परिपड् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश को तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स०/70/80 (32)]

O.N. 258.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukhwasi, House No. 216, Vill. Sona, Post Tundla, Distt. Agra (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 70-Jalesar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidae, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukhwasi to be disqualified for being chosen as, and for being to an abort of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/70/80(32)]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1981

आर अर 259 - - यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 157-उत्तरौला निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीवयार श्री मोहम्मव हतीश ग्राम रमवापुर कला, पो० उत्तरौला, जिला गांडा, (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रोक्षित श्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिल करने में श्रमफल रहे है;

भीर यत', उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथवा माष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रम, उक्त श्रिमियम की धारा 10-क के भ्रानुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्वारा उक्त श्री महोम्मेद इब्रोम का संगद के किसी भी भवन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्साहन घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-बी०स०/157/80 (126)]

New Delhi, the 15th April, 1981

O.N. 259.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohammad Idris, Village Ramwapur Kalan, P.O. Utraula, Distt. Gonda (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 157-Utraula constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the sald candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohammad Idris to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[UP-LA/157/80(126)]

आं अ० 260.—यन, निर्वाचन ग्रायांग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 157-उत्तरौला निर्याचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री राम मनोरथ, पाम जोग्नीबिर, पोस्ट उत्तरौला, जिला गोंण्डा, (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अवेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असकत रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथना स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

अन, अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त भी राममनोरथ को संसद के किसी भी सदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्रोहिन घोषित करना है।

[न॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/157/80(127)]

O.N. 260.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Manorath, Village Jogibir, P.O. Utraula, Disti. Gonda (U.P.), a contesting candidate for general election to

the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 157-Utraula constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Monorath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/157/80(127)]

आ० अ० 261.—यन:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 1- अम्बाला (२० जा०) निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाली उम्मीववार श्रीमती विमला देवी, गांव गोविन्दारा, डा० जगाधरी, जिना प्रम्बाला (हरियाणा), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्षित प्रथने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करते में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उनन उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमकलना के लिए कोई कारण अववा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उपके पास इस श्रसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नही हैं,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयाग एनद्वारा उक्त श्रीमती विमला देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य बुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्देश घोषित करता हैं।

[स० हरि०-लो० स०/1/80(1)]

O.N. 261.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Bimla Devi, Village Gobindpura, P.O. Jagadhari, Distt. Ambala (Haryana) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 1-Ambala (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason of explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Bimla Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament cr of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/1/80(1)]

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1981

आ० अ० 262 — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के तिर्माधारण निर्वाचन के लिए 3-करनाल निर्वाचन केंद्र से जुनाब लड़ने वाले उम्मीववार श्री प्रमीलाल, गांव व डा० संगोहा, जिला करनाल (हरियाणा), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन श्रनाए गए नियमों बारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करन मे असकल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्भीववार ने, सम्यकः सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसकलना के लिए कोई पर्याप्त करण या न्यायौजित्य नहीं है;

ग्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री धमीलाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रवना विधाम परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख सेतीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन धोषित करता हैं।

[मं० हरि०-लो० स०/3/80(3)]

New Delhi, the 16th April, 1981

O.N. 262.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Ami Lal, Village and P.O. Sangoha, Distt. Karnal (Haryana) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 3-Karnal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice. has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ami Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/3/80(3)]

आंश्वर 263.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तरप्रवेण विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 92-बांगरमऊ निर्वचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कन्हिया लाल वर्मा, ग्राम भटौती, पो० घटवाँवैक, जिला उन्नाव (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिन्व प्रधिनियम, 1951 तथा नड़ीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रमफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार नं, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हा गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासीचित्य नहीं है,

फ्रतः प्राव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्वारा उक्त श्री क हैया लाल वर्म की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथ्या विधान परिषद के सदम्य जुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की नारोख से तीन वर्ष की कानावधि के लिए मिर्राहित घोषिन करना हैं।

[নৃত ত্ত স্ত-স্থিত নৃত/92/৪০ (139)]

O.N. 263.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanhaiya Lal Verma, Village Bhatauli, P.O. Atwaback, Distt. Unnao (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 92-Bangarmau constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is sat such that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanhaiya Lal Verma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/92/80(139)]

नई विल्ली, 24 अप्रैल, 1981

आ० अ० 264.—यतः, निर्वाचित भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में दुए उत्तर प्रवेश विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 232-जमानिया निर्वाचन केन्न से चुनान लड़ने वाले उम्मीववार श्री लालमनीं, जिगना सिसोड़ा, वाराणसीं (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों में कोई भा लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं।

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने सम्यक सूचना दिए जाने पर मी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया हैं और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्योगी किस्य नहीं है;

धत: प्रथा, उसत प्रधिनियम की धारा 10 क के अनुसरण में निर्वाचन अधीग एतद्धारी उक्त श्री लालमने को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष को कालावधि लेलिए निरहित घोषिन करता हैं।

> [सं० उ० प्र० वि० स०/232/80(41)] श्रीं० ना० नागर, अवर सचिव भारत निवंधिन आयोग

New Delhi, the 24th April, 1981

O.N. 264.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lalmani, Jigana Sisoda, Varanasi (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 232-Zamania constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri I almani to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/232/80(41)]
O. N. NAGAR, Under Secy.
Election Commission of India

आवेश

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1981

आ० अ० 265—यतः, निर्वाचन ग्रायाग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए 62-पलघर (ग्र०ज०जा०) निर्वाचन-अन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवनार श्री णिगड़े ग्रर्जुन ककाड्या मु० नंदगाय टर्फ मनोर डा० मनोर, तलुका पलार, जिला याने, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमो तारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक्त सूचना विए जाने पर भी, इस श्रमफलता के निए काई कारण अनुवा पष्ट्रीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रयांग का समाक्षान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या नायौष्तित्य नहीं है;

ग्रन: ग्रय, उक्त घ्रितियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एनद्वारा उक्त श्री शिगड़े प्रजीन ककाड्या की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा निधान परिषद के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से नीन वर्ष की कातावींध के निए स्मिटीहन घोषिन करना है।

[मं० महा-वि०स०/62/80 (29)]

ORDERS

New Delhi, the 30th March, 1981

O.N. 265.—Wherea, the Flection Commission is satisfied that Shri Shingade Arion Kakadya, At-Nandgaon Turf Manor, Post Manor, Taluk Paghar, District Thane (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly he's in May, 1980 from 62-Palgarh (ST) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Roles made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any rea on or explanation for the failure and the Election Compression is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shingade Arjun Kakadya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/62/80(29)]

आं अं 266.—यन:, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, के लिए 110- बोरगांव संज् निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मी-दवार श्री मोर मनोहर, रत्नीराम, विटल फैल, नजदीक उमारी नाका जिला अकोला (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिन्यम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों हारा ग्रोक्षिन श्राने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जनें पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रामोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायीचित्य नहीं है;

ग्रन: श्रव. उक्त घिधिषियम की धारा 10-क के ग्रन्सरण में निर्वाचन श्रामोग एनव्दारा उक्त श्री मीर मनोहर रतीराम को संमद के किसी भी सबने के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रामेश की नारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन घाषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/110/80 (30)]

O.N. 266.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri More Manohar Ratiram, Vital Fail, Near Umari Naka, District Akola, Akola (Maharashtra) a constesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assebmly held in May, 1980 from 110-Borgaon Manju constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri More Manchar Ratiram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HT-LA/110/80(30)]

आश्वार 267.—यत', निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 110-बोरगोब मंजू निर्वचन-क्षेत्र से चुनाव लग्ने वाले उम्मीदवार श्री गेगोकार, रामचन्त्रा धर्जुन, मा० ए० उमारी तालुका व जिला अकोला (महाराष्ट्र)लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 नथा तद्वीन बनाए गए नियमो द्वारा अभेक्षन अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में अस्पक्त रहे है;

धौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस प्रसफ्तना के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्धाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौचित्य नही है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रांधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनत् द्वारा उक्त श्री पोगोकार रामश्रवा श्राप्ति को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य श्रुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की नारीख़ से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषिन करना है।

[सं व महा-िय ० स ० / 110 / 80 (31)]

O.N. 267.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shegokar Ramchandra Arjun, At, Post Umati, Tq. and District Akola (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 110-Borgaon Manju constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shegokar Ramchandra Arjun to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. MT-LA/110/80(31)]

आं० अ० 268, — यत:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधाने हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 110-भोरगांव मूंजू निर्वाचन के लिए 110-भोरगांव मूंजू निर्वाचन के लिए 110-भोरगांव मूंजू निर्वाचन के से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्राचन गेंकोजी इंगले, मू० डा० गित्रोची, (शीवर) नालुका व जिला अकोला (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रीधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेपेक्षिन अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यत: उक्त उम्मीकवार ते, सम्यक्ष सूचिंग विष् जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयंत्रा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफ-लता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायीचित्य नहीं है;

श्रव : श्रव, उन्न श्रिधिनियम, की धारा 10-क ने श्रवुसरण में निर्वाचन सायोग एनव्हारा उक्त श्री श्रावन श्रेकोजी इंगले को संगद के किसी भी सबक के या किसी राज्य की विधान सभा अश्रवा विधान परिपद के नदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख राजीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्श्विम श्रीपन करना है।

[सं॰ महा वि॰स॰/110/९0 (32)]

O.N. 268.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shiawan Shekoji Ingle, At Post Shioni (Shiwar) Tq and District Akola (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 110-Borgaon Manju constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the suid Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Shrawan Shekoji Ingle to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/110/80(32)]

आवेश

नई विरूषी 3, अप्रैल, 1981

क्षा० क्ष० 269—यतः निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यारण निर्वाचन के लिए 224-इटारसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री अनिल कुमार अवस्थी, मालवीय गंज, इटारसी (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व प्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अविक्षित प्रपत्ने निर्वाचन व्यथों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं हैं

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी ६स अगफलता के लिए कोई कारण अयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या ज्यायीचित्य नहीं है;

श्रत: श्रवं, उक्त श्रधितियम को धारा 10-क के अनुसरण में, निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री अनिल कुमार श्रवस्थी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा निधान परिषद् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की नारीख में तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्हित घोषिन करता है।

[मं० म० प्र०वि०म०/224/80(22)]

ORDER

New Delhi, the 3rd April, 1981

O.N. 269.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anil Kumar Awasthi, Malviya Ganj, Atarsi, (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Marhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 224-Atarsi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Anil Kumar Awasthi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/224/80(22)]

क्रां० अ० 270 — यनः, सिर्वाचन ग्रायीग का समाधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए शाधारण निर्वाचन के लिए 143-भंडारा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लक्ष्मे बाले उम्मीदवार श्री नंबुरकार शामराव श्रात्माराम, शास्त्री नगर, भंडारा, जिला भंडारा (महाराष्ट्र), लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों हारा श्रमेखित श्रपने निर्वाचन व्ययों ना कोई भी नेखा वाखिल करने में झगफन रहें हैं; श्रीर यह , उक्त उप्तिवतार ने सम्पश् सूचना विष्ण शाने पर भी, इस श्रमफलमा के लिए मांई वारण श्रथ्या सार्टीकरण नंही दिया है और निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रत श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 10-क के श्रन्थरण में, निर्वाचन श्रादोग एतदक्षारा उक्त श्री नंबुरकार शामराय श्रात्माराम को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य वी विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्दाहन घोषिन करना है।

[मं० महा-वि० स०/143/80 (34)]

O.N. 270.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nandurkar Shamrao Atmaram, Shastrinagar, Bhandara, Bhandara District (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 f. om 143-Bhandara constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nandurkar Shamrao Atmaram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/143/80(34)]

नई दिल्ली, 6 ग्राप्रैल, 1981

अर० अर० 271.—-यतः, निर्वाचन स्रायोग का समाधान हो भया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 271-इन्दोर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री ऋषि कुमार शुक्ल, 7/2-ए, मोनीतबेला, इन्दौर, (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व स्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा स्रिपेक्षित स्रपने निर्वाचन करने में समफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उभ्मीदवार ने, सम्यक् सूचा दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्वष्टोकरण नहीं दिया है भौर निविचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः ग्रज, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में, निर्वाचन भाषींग एनदबारा उक्त श्री ऋषि कुमार णुक्त, को संसद के किसी भी सब्दन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथता विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए ध्रम श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष काक्षावधि के लिए निर्दाहन घोषित करना है।

[सं० म०प्र० वि०स०/271/80(23)]

New Delhi, the 6th April, 1981

O.N. 271.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rishi Kumar Shukla, 7/2A, Motitabela, Indore (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh, Legislative Assembly held in May, 1980 from 271-Indore-2 constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made the ender:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is 481.811-a that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declared the said Shri Rishi Kumar Shukla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/271/80(23)]

आ० अ० 272.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 271-इन्दोर निर्वाचन-भेन्न मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री महेण श्रोंकार, 16/2 नन्दा नगर, इन्दोर-3(मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व शिक्षितियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा भ्रमेक्षित श्रवने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिन करने मे भ्रमफल रहें है;

भीर यतः, उक्न उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रयफलता के लिए कोई पर्योग्न कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रातः श्राब, उक्त श्रिष्ठित्यम की घारा 10-क के श्रानुमरण में, निर्वाचन श्रायोग एतवहारा उक्त श्री महेश श्रोकार को संसद के किसी भी गदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्राथवा विधान परिषद् के सदस्य श्रुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्म्हिन घोषित करना है।

[मं० म०प्र० वि०स०/271/80(24)]

O.N. 272.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahessh Onkar, 16/2, Nandanagar, Indore-3 (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 271-Indore constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Mahesh Onkar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/271/80(24)]

नई दिल्ली, 8 मप्रील, 1981

आर अर 273.—यनः, निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 279-जागली निर्वाचन-अेत से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री मिडया पहाड़ सिंह, ग्राम पानकुर्धा, पास्ट पुन्जापुरा, तल्लसील धागली, जिला देवाम (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रमेकित भ्राने निर्वाचन द्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असकन रहे हैं;

श्रीर यत', उक्त उम्मीतवार ने, सम्यक् सूचना दिए लाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पट्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

न्नत. झब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में, निर्वाचन झाथोग एतदद्वारा उक्त श्री मश्चियः पहाड़ सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान पिष्या के सदस्य चुने जाने भ्रीरहाने के लिए इस शादेश की तारीख में तीन वर्ष की कानाश्रध के लिए निर्राहन घषित करना है।

[स॰ म॰प्र॰ थि॰। (279/80(27)]

New Delhi, the 8th April, 1981

O.N. 273.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Madia Paha. Singh, Village Pankunva, Post Punjapula, Tehsil Bagli, District Dewas (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held on May, 1980 from 279-Bagli constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Repleventation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he had no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Madia Pahar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/279/80(27)]

नई दिल्ली, 15 ग्रामैत, 1991

आ० अ० 274.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए सहाराष्ट्र विधान सवा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 244-मुनशी निर्वाचन-भेत्र में चूनाव लड़ने वाने उम्मीदवार श्री पासलकर रामचन्द्र बायूराव, 658 गोखने नगर, पुने-16, (महाराष्ट्र), लोक प्रनिनिधित्व श्रीधितियम, 1951 तथा नदबीन बनाए गए नियमों बारा अपेक्षित श्रयने निर्वाचन व्ययों का काई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्य ए सूचता दिए जाते पर भी, इन असफनता के लिए कोई कारण अथवा स्मण्डीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का समाक्षान हो गया है कि उनके पास दा सकतता के तिए काई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भ्रतः मन, उक्त भ्रधितियम की धारा 10-क के श्रतुसरण में, निर्वाचन भाषोग एसदद्वारा उत्त श्री पाननकर रामनन्द्र बाबूसन का गाव के किसी भा सदन के या कियी राज्य का विज्ञान ना प्रयश विज्ञा परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश का नारीज से तीन वर्ष की कालावधि के निए रिर्मिंडन बोषित करना है।

[सं० महा-नि०स०/244/80(40)]

New Delhi, the 15th April, 1981

O.N. 274.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pasalkar Ramchandra Baburao, 658-Gokhalenagar, Pune-16 (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 244-Mulshi constituency, has failed to lodge an account his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pasalkar Ramchandra Baburao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/244/80(40)]

आरं अरं 275.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्क, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 257-भीर निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री घडागे नामदेव पन्धूरना, धानन्व नगर, नागपुर भाल, पुने 411006 महाराष्ट्र कोक प्रतिनिधिस्व अधिनियम, 1951 सथा तदधीन बनाए गए निज्नों हारा अपेक्षित अपने निर्वाचन क्यां का कोई भी लेखा वाखिल करने मे असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण प्रथवा स्टिशकरण नही दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उनके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोगिस्य नही है;

धनः धव, उक्त प्रधितियम की धारा 10-क के प्रतृतरण में निर्वाचन भ्रायोग एतबद्वारा उक्त श्री घडागे नामदेव पन्दूरंग का समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्या समा भ्रयश शिक्षान परिषद के सदस्य जुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन पोषित करता है।

[मं० महा-वि॰म०/257/80(41)]

O.N. 275.—Whereus the Election Commission is satisfied that Shri Ghadage Namdeo Pandurang, Anandnagar, Nagpur Chawl, Pune-411006, a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 257-Bhor Constituency, has failed to lodge an a count of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghadage Namdeo Pandurang to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/257/80(41)]

मई विल्ली, 16 अप्रैल, 1981

आं०अ० 276.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 251-कन्टोनमैन्ट निर्वाचन केत्र से बुनाम लड़ने वाले उम्मीदवार श्री तूपे प्रानन्त राव बाजीराव, सकान नं० 83, मालवाडी, हड़पपर, पूने-28 (महाराष्ट्र), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नथा तक्कीन बाए गए नियमों द्वारा प्रमेकित ग्रामे निर्वाचन करने में प्रसफल रहे हैं;

धौर यतः, उकत उम्मीप्रवार ने, सम्यक् सूबता त्रिए जाने पर भी, इस धमफलता के लिए कोई कारण धयदा स्कटीकरण नही दिश है स्रीर निव्याचन धायोग का समाधान हो गया है कि उनके पत्य इप धनकतना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

भनः भनः, उनन प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुरण में, निर्धावन भाषोग एतवारा उकत श्री तूरे भर्तनार बाजी पर को पाद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की निजान सभा भवतः विज्ञा रिपद के सबस्य चुने जाने भीर होते के लिए इन आदेश को नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देश बोविन करना है।

[प॰ महा वि॰य॰/251/80(46)]

New Delhi, the 16th April, 1981

O.N. 276.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tupe Anantrao Bajirao, House No. 83, Malwadi, Hadapsar, Pune-28, a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May,

1980 from 251-Pune Cantonment Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tupe Tnantrao Bajirao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this o der.

[No. MT-LA/251/80(46)]

आं आं अं 277.— यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के निए साधारण निर्वाचन के लिए 252-सिक्स निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाने उम्मीदबार श्री मोरे ग्याम कास्त वासोदर, मृ विद्नाव, तानुका ह्वेली (महाराष्ट्र लोक प्रनिनिधिस्व ध्रिधिनियम, 1951 नया नदधीन बनाए गए निर्मों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी नेखा दाखिन करने में ध्रसफल रहे हैं;

भीर यतः उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नही विया है, भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रयफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नही है;

धतः भव, उमन प्रधितियम की धारा 10-क के धनुमरण में, निर्वाचन भाषोग एनदहारा उकन श्री मोरे एशम कारन शमीक्षर की मंतर के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान समा ग्राजा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के निए इस ग्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[मं० महावि ज्या | 232 | 80 (47)]

O.N. 277.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri More Shymkant Damodar, At & Post Dehugaon, Faluka-Haveli, Maharashtra, a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 252-Shirur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he his no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri More Shymkant Damodar to be disqualified for being chosen as, and for being a membe, of either House of Parliament or of the Legislative Ascembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/252/80(47)]

नई दिल्ली, १३ मधैन, 1981

आ ० ३७ ८ ७ ८ १ ६ १ मिलिशिय प्रिप्तिस्म, 1951 (1951 का 43) की धारा 111 के धनुमत्य में, निर्धानन श्रायोग, सन् 1980 की निर्वाचन धर्मी संख्या 5 में दिए गए बन्दर्र उन्हान गरानर के नारीख 9 फरवरी, स्या 10 अप्रैस, 1981 के धादेश प्रया रिपोर्ट को एसद्हारा प्रकृतिन करना है।

[सं० 82/महा०/ (5/80)/81]

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd April, 1981

O.N. 278—In pursuance of section 111 of the Rep.e-sentation of the People Act, 1951 the Election Commission hereby publishes the Order and Repo t dated 9th February and 10th April, 1981, respectively, of the High Court of Judicature at Bombay in Election Petition No 5 of 1980.

IN THE HIGH COURT OF JURISDICATURE AT BOMBAY

ORDINARY ORIGINAL CIVIL JURISDICTION
Election Petition No 5 of 1980

Plaintiff Petitioner

Versus

Defendant

Respondent Coram Bharucha J Dated 9-2 1981

Called for Withdrawal

Mr Sudhir G Naik with Mr Gamadia-for Petitioner

Mi Jagdish Mehta of M/s Bhaishanker Kanga & Girdharilal other Respondents absent for Respondent

Mr Naik undertakes to file his appearance on behalf of the Petitioner within a week from today

Notice of withdrawl of Petition published in the official Gazette taken on file

P C Petition allowed to be withdrawn with no order as for costs

Petition to be advertised in the Central Government Gazette as required unde section 110(b) of the Representation of People Act

Costs of Publication to come out of the security deposit deposited in the office Balance to be refunded to the Petitioner

(Extract of letter No B/dated 10th April, 1981 from High Court, Bombay)

Re —Election Petition No 5 of 1980 Smt Shalimbai V Patil

Petitioner

Vs

Shri Y B Chavan & Ois

Respondents

Report of withdrawal by the High Court under section 111 of People Act, 1951

х х х х

2 Pursuant to the O der dated 9th February 1981 the necessary notice under section 110(3) of the Representation of the People Act, 1951 for withdrawal of the above Election Petition was published in the Gazette of India dated 21st March, 1981 (Part 4, Page 51)

As no person has applied for substitution in place of the Petitioner within 14 days from the date of said publication ie upto 6th April, 1981 the above Petition stands withdrawn as required under section 111 of the said Act

This letter is by way of report of the withdrawal of the Election Petition as required under Sect on 111 of the Representation of the People Act

[No 82/MT/(5/80)/81]

श्रधिसृचना

नई विस्ली, 23 भन्नैल, 1981

आ० अ० 279 — लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के प्रतुसरण मे निर्वाचन भायोग, सन् 1980

की निर्वाचन धर्जी सब्धा 2 में विए गए अहमदाबाद उच्च न्यापाल। के मारीखा 281-1981 के निर्णय को एतद्वारा प्रकाशित करता है।

[स॰ ८४-गुज/(2/1980)/81]

भादेण सं,

धर्मवीर फदर सचिय ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd April, 1981

O.N 279—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the order pronounced on 28th January, 1981 by the High Court of Judicature at Ahmedabad n Election Petition No 2 of 1980.

IN THE HIGH COURT OF GUJARAT AT AHMEDABAD (District Baroda)

Llection Petition No. 2 of 1980

In the matter of Section 33 and other relevant provisions of the Representation of the People Act, 1951,

AND

In the matter of Rules 2(g), 4 10, 11 and other relevant provisions of the Conduct of Election Rules, 1961

AND

In the matter of a petition under Section 80 of the Representation of the People Act, 1951

AND

In the matter between,

Rathwa Mohansinh Chhotubhai, residing at village Pavi Jetpur District, Baroda

Petitioner

Versus

- 1 Amaisingbhai Virayabhai Rathwa resid ng at village Vijli, Post Mankedi, Taluka Chhota Udepur, District, Baroda
- 2 Tadvi Kanubhai Somabhai (Panwala), iesiding at Natwarpura, Palace Road, Chhota Udepur, D stiict Baroda

Respondents

28-1-1981

Mr N H BHATT

Mt J G Shah with Miss D T Shah-for the petitioner

Mi J M Thakore, Advocate General, with Mr H M Mehta-for the respondent No 1

The respondent No 2 served

Attorney General served

Coram N H Bhatt, J (28-1 1981)

Oral Judgment:

This is an Election petition filed by one Rathwa Mohansinh Chhotubhal, hereinafter referred to as 'the petitioner', challenging the election of the respondent No 1 to the Parliament in the beginning of the year 1980 from Chhota-Udepur Constituency, which was reserved for a Scheduled Tribe candidate. The only ground on which the petitioner, who lost the election, challenges the election of the respondent No 1 had not set out in his nomination forms, four in number and produced at Annexure A 1 to A-4 to this petition, the specific Tr be to

which he belongs and thus had non-complied with the mandatory requirement of section 33(2) of the Representation of the People Act, 1951, he conafter referred to as 'the R. P. Act, 1951' for brovity's sake which enjoins as follows:—

- "In a constituency where any scat is reserved, a candidate shall not be deemed to be qualified to be chosen to fill that scat unless his nomination paper contains a declaration by him specifying the particular caste or tribe of which he is a member and the area in relation to which he take or tribe is a Scheduled Caste or, as the case may be, a Scheduled Tribe of the State."
- 2. In the petition, as was o gually filed, there were two prayers, viz. (1) to get the election of the respondent No. 1 declared void; and (2) to declare the petitioner elected as a member of the House of the People from the aforesaid Chhetaudepur Constituency reserved for the Scheduled Tribe. However, by purshis, ex. 21 dated 21st December, 1980 the second praye, was not pressed. In the petition, was orginally filed, the other candidate in the field, the respondent No. 2, was also impleaded as a party and it was necessary to do so at that stage because the petitioner wanted to get himself declared duly elected. It was alleged in the petition that the nomination forms of the respondent No. 2 also were suffering from the same infimity, but in view of the statement at Ex. 21 referred to above, I am not required to deal with that question pertaining to the validity or otherwise of the nomination papers of the respondent No. 2. The only question of substance, therefore, that survives in this petition is whether in terms of section 100(2)(d) of the R. P. Act of 1951, the result of the election in so far as it concerns a returned candidate has been materially affected by the improper acceptance of the respondent No. 1's nomination. In a case where it is alleged that the nomination of a candidate, the question whether the result has been materially affected or not would not arise, because it is evident that if the nomination of the repondent No. 1 had not been accepted, the result of the election, as it is now holding the field, would have been materially affected.
- 3. Ex. 2 is the written statement filed on behalf of the respondent No. 1. He denied that his nomination forms did not mention his Tribe or that he did not mention the fact that his Tribe was a Scheduled Tribe in the area concerned. He then further stated as follows:—
 - "In this connection, I beg to point out that the Gujarati version of the nomination form supplied by the Returning Officer's office to the candidates does not contain a declaration form requiring mentioning of the tribe concerned. The part pertaining to the declaration as printed in the said form in its Gujarati version requires only the name of the candidate concerned to be declared".

Other contentions are also mentioned, but I do not reproduce them here because they are reflected in the issues at ex. 3, which are reproduced below:—-

- (1) Whether the petition is liable to be dismissed under the R. P. Act 1951 for not impleading all the candidates as required u/s. 82(a) of the R. P. Act, 1951 (Mr. H. M. Mehla to clarify who other possible candidates are;
- (2) Whether the petition is not verified as required by sec. 83(1) of the Act;
- (3) Whether the petition is not accompanied by the proper deposit of the amount of security of costs and hence whether it is liable to be rejected;
- (4) Whether the petition is time-barred in view of S. 81 of the R.P. Act, 1951;
- (5) Whether the non-mention of the particulars of the respondent No. 1's caste or tribe in the nomination paper rendered the nomination paper invalid and consequently his election bad at law;
- (6) Whether the petitioner is a member of "Rathwa" tribe, a schedule tribe, declared as such by the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950;

- (7) Is section 33(2) of the R.P. Act ultra vires;
- (8) Is the rule regarding filling-up the nomination paper and prescription of the nomination paper as given in form 2(a) of the counduct of election Rules, 1961 void as alleged?
- (9) What Orders ?
- 4. No arguments were advanced at any stage of the heating of this petition regarding the issues Nos. 1, 2, 3 and 4, and even on meits, I find little force in these four contentations. I find that this petition does not require any other candidate, except the candidate whose election has been challenged, to be made a party, particularly when the petitioner has not pressed his prayer for getting himself declared duly elected. Even otherwise, the respondent No. 2, who was the only other contestant in the field, was already a party. No fault has been shown in respect of the verification of the petition. The deposit was already made and the petition was presented to this court on 19-2-80 within 45 days of the declaration of the result. So the question of bar of limitation under sec. 81 of the R.P. Act does not arise. Under the said provision, the election petition is required to be filled within 45 days from the date of the elections were held in January 1980 and the result was declared on 6-1-80. The last date for firing, therefore, would be 20-2-80.
- 5. So, the only question that arise is whether the provisions of Sec. 33(2) of the R.P. Act 1951 and of Rule 4 and the Form 2-A contained in the Conduct of Election Rules 1961 are ultra vires and if they are not, whether the nominations of the respondent No. 1 can be said to have been improperly accepted.
- 6. The question of vires of these provisions was not at all argued by the learned Advocate General, who appeared for the respondent No. 1 along with Mr. H. M. Mehta. The Division Bench of this court in the case of Raju V. B. vs. Chief Electoral Officer AIR 1976 Gui. 66, has examined the law on the point and has concluded that sections 33(1), 34, 35, 37, 39 etc. are not ultra vires the constitution. It was emphasised in that case that the right to stand at the election is not a constituional right, but it is a satutory right and the statute that creates the tight, can circumscribe it also. It was held there that the right to stand at the election to the House of People or to the Council of States is not a Constitutional right guaranteed to a person under Article 84 of the Constitution of India. The Division Bench held that Article 84 simply provided that a person should not be qualified to be chosen to fill a seat in Parliament unless he had certain qualification, but it did not give an unfettered right to a person who is a citizen of India to contest election without complying with the obligations entailed by the statute made in that behalf by Parliament. No doubt section 33(2) of the R.P. Act was not directly on the anvil of the Division Bench of this Court in the case of Raju V. (Supra), but what the Division Bench has observed in respect of sec. 33(1) and other provisions of the Act can still squarely apply to sec. 33(2) as well. I do not find that the provisions of sec. 33(2) as Rule 4 and Form 2A are in any way hit by the ultra vires character.
- 7. This brings me to the moot and only question that has arisen in this petition. As already said by me above, the forms presented by the respondent No. t were four in number and they are produced at Annexures A-1 to A-4. The first part of the form is to be filled in by the proposer. The proposer stated that a candidate named 'Rathwa Amarsinghai Virayabhai' was being proposed by him. It is, therefore, evident that Rathwa Amarsingbahi Virayabhai is the name of the candidate. The word "Rathwa" appearing first in this group of three words is a part of the name and obviously, therefore, it is surname. The second part of the name is required to be filled in by the candidate. The lower part of that second section is to be filled in by the candidate, who contest the election as a member of the Scheduled Tribe or Caste. The English version of that form in that natt reads as follows:—

(Signature of candidate)"

The Gujarati version of that part is also required to be reproduced from Annexure A-1. It reads as follows:—

[Gujarati version not printed]

In this part also, the respondent No. 1 has signed as Rathwa Amaisinghbai Virayabhai. It is, therefore, evident that the epithet Rathwa' pictixed to the name and father's name was clearly intended to be the name of the respondent No. I and the atempts made in the course of the hearing of this petition that this epithet "Rathwa" appended to the name Amaisingbhai Virayabhai was not the suiname, but was only the Iribe name is to be rejected as a belated attempt on the part of the respondent No. I make good attempt on the part of the respondent No. I make good as well as in his signature part at part 2, the word "Rathwa" has been put in conjunction with the name by prelixing it and, therefore, the only reasonable interpretation that can be pleased on the word "Rathwa" is that it is prefixed to the name of the respondent No. I as his surname and not as an indication of the Scheduled Tribe to which he belongs. I am not oblivious of the fact that people of some caste or tribe adopt the name of their caste or tribe also as their surname. But equally it is a matter to be judicially noticed that there are surnames amongst people in India, which surnames may or may not be suggestive of the easte. So it is difficult to subscribe to the proposition that surnames are not used by these Rathwa tribe people in that area, that they never use surname and that they either prefix or suffix the word "Rathwa' to their names only for the purpose of indicating their tribe.

- 8. In this connection, the oral evidence led by the parties deserves to be dealt with on behalf of the petitioner. He alone has been examined at ex. 5. The respondent No. 1 has examined himself at ex. 8 and he has examined two witnesses Shri Harivallabhdas Parikh at ex. 23 and Shri Vishrubhai Purohit at ex. 25. No other oral evidence has been led.
- 9. The petitioner in his evidence stated as follows in paragraph 6:—
 - "People of the scheduled tribes at times annex to their names the surnames other than the names of their tribes, as per example, some people of the scheduled tribes call themselves as Barias also.

Curiously enough, the above-mentioned statement made by him in his examination-in-chief was not at all controverted, and so that evidence stands on the record as unchallenged evidence. The respondent No. 1 in his evidence at cx. 8, however, stated that:

In his cross-examination, however, he had to admit that he had no idea about the number of persons of Rathwa tribe in Naswadi taluka or Pavi-Jetpur, and that he had no idea as to whether the people of Rathwa tribe are located in any other part of the other State in India. He further stated that in about 125 villages in Chhotaudepur takula, there lived people of Rathwa tribe and that out of the people of the Rathwa tribe in Chhotaudepur takuka, he must be knowing about 50 to 60 families. This evidence of the responden! No. I, therefore, showed that his assertion that people of the Rathwa tribe never employ any surname as such, but mention Rathwa tribe never employ any surname as such, but mention Rathwa tribe never employ any surname that people of the Rathwa tribe never employ any surname as such, but mention Rathwa tribe on his part, in the sense that the petitioner was not put this case, despite his assertion otherwise.

- 10. The next witness examined on behalf of the respondent No. 1 is Shri Hrivallabhdas Parikh, ex. 23, dedicated social worker, as he appeared to be from his examination-inchief. He has got service record of about 33 years with Adivasis. He, in paragarph 2 of his evidence stated as follows:—
 - "There is no custom among the adivasis to have any surnames prefixed of suffixed to their names but they prefix or suffix their tribe names to their names".

This witness, however, being true to this oath almost volunteered and stated at once as follows:—

"However, when they have to address their sons-in-law or such distinguished people, they use the sumames like Dharva or some such other sumames. They never use the term "Rathwa Kolis" though the then Maharaj of Chhotaudhur had made an attempt to call them as such in order to show that the Rathwas under his rule were superior to Rathwas in the other territory. Because of this past legacy, some Rathwas still use epithet as Rathwa Kolis or even Kolis either as a prefix or a suffix.......

This candid statement made by a man of distinguished public service goes to show that Rathwas do not invariably use the word "Rathwa" as the surname. Some Rathwa people of Chhotaudepur taluka call themselves as Rathwa Kolis and this is the surname, which they prefix of sullix to their names. Referring to the voier's list, that was brought to his notice, he admitted that "there is reference to Ra. Ko. Patallabhai Jagalabhai". I know him personally. In fact, he was Rathwa by tribe as there is no separate tribe known as Rathwa Kolis'. This sentence from the deposition of Shri Parikh shows that Rathwas do not necessarily use the epithet Rathwa as they prefix or suffix to their names by way of invariable concomitant, Rathwas do at times have surname Kolis and the people of distinction or honour of commanding respect are having surnames like Dharva or some such other names. Despite his extensive services, stretched over a number of villages, the witness was fair enough to admit that he could not speak about all the villages in those talukas in connection with the residents thereof, but he could certainly speak in connection with some villages of those talukas. The fairness of this witness was evident when he admitted that one Jasvantbhai, following the lawyer's occupation, was known as Baria and said Jasvantbhai had contested the election as the member of the Rathwa tube. The winess no election as the member of the Rathwa tube. doubt stated that the said advocate had filed an affidavit that though he was using the surname Baria, he was in fact belonging to Rathwa tribe. The witness further candidly admitted that there were some instances that had gone to his information in which people holding surnames Barias, claimed to be belonging to Rathwa tribe and they did get benefit also as such, but they for that purpose used to file affidavits to that effect. The witness further admitted that he had not conducted any systematic survey or study, but what he spoke about Rathwa tribe, was based on his contact with the people whom he happened to meet in the course of his extensive social services. This evidence of Mr. Parikh in my view explodes the defence of the respondent No. I that Rathwas invariably apply the epithet Rathwa to their names and that too for the purpose of indicating their tribe and not by way of their surnames. People belonging to Rathwa tribe are shown to be possessing the surname Rathwa Koli, or as the large of Lagurathbai the surname Ratio and the it is in the case of Jasvanthhai the sutname Baila and the witness had come to learn that many other pepole with such surnames also went forth with an assertion that they belonged to Rathwa tribe. In my view, the evidence of Shri Parikh, which partially deserves a good deal of credit, also supports the say of the petitioner rather than that of the respondent

- 11. The last witness is Vishnubhai Purohit, ex. 25, working as the worker of Khet Mazdoor Parishad with his headquarters at Baroda. This witness claims to have knowledge about the social customs prevailing among Rathwas located in Rath area (i.e. Rathwas' area) but his claim to be a well conversant man on that subject was belied when he, unlike Shri Parikh, stated in his examination-in-chief itself that he did not know if there were any Dhor Bhils in that area. He had to admit that at some places outside those areas of his operation, there was practice to write Rathwa Kolis instend of Rathwa simple. He too had not any occasion to conduct a systematic study about the origin of Rathwa tribe. He admitted that he knew Vakil Jasvantbhai, whose surname was Baria. The witness, however, added that he did not know if said Jasvantbhai belonged to Rathwa tribe or that he had contested the election as a member of the Rathwa tribe in a reserved seat. The witness, claiming to be a social worker of many years' standing, was not ready to speak known facts like Mr. Jaswanthhail's contest at election.
- 12 So as far as the oral evidence on the record goes, the respondent no. I's assertion that the epithet Rathwa either prefixed or suffixed to the name is necessarily indicative of the tribe and it is not surname, is difficult to be appreciated and accepted.

- 13. Inviting my pointed attention to Forms, annexures A-1 to A-4, it was urged that in the declaration part 2 of the firms, the reference to the ward "Rathwa" as preceding the name and father's name of the respondent no. 1 shown, by necessary implication, be understood to have reference to the Tribe name. I have already stated in this connection that thre is aninconsistent plea in the written statement on this point. In one breath, it was asserted that the words "Rathwa Amarsinghbhai Virayabhai" in those f.oms were indicative of the Tribe's name and it was asserted in the next breath that the Gujarati version of the nomination form supplied by the Returning Officer's office to the candidate did not contain a provision requiring mentioning of the tribe concerned. Technically speaking, a party in its pleading may take inconsistant pleas but when it comes to appreciation on merits the court is free to draw its inferences. From the above quoted statement in the pleading, it appears clear that the respondent no. 1 while filling in the forms Annexures A-1 to A-4, was under the impression that is was not required to be mentioned in the forma as to which specific tribe notified by the President in his order of 1980 he belonged. The order in question is shown as Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1930 issued by the president by virtue of powers conferred on him by clause (i) of Article 342 of the Constitution of India. The order is styled as the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950. In that order, in part IV, valous tribes of Gujarat are set out as the Scheduled Tribe recognised by the President. The Tribe of Rathwa in Gujarat is recognised as such without any reference to the particular area of the State.
- 14. It cannot be denied that this respondent No. 1 might have been misled by the Gujarati Form, which purports to be the Gujarati Version of the original English form. The distant possibility of this nature cannot be eliminated. It also cannot be denied that the respondent No. 1 had contested the election as a candidate for the reserved seat on the earlier occasion and his form at that time also was almost similar to the forms, Annexure A-1 to A-4. If any evidence is required to be permitted and appreciated, it is inevitate to hold in this case that the respondent No. 1 had successfully proved before the Returning Officer by adducing evidence, and before me too by adducing evidence, that he in fact belongs to Rathwa Tribe. What is contended before me is that if the Forms, as presented to the Returning Officer, suffer from the non-compliance with the mandatory provisions of sec. 33(2) of the R.P. Act, the further enquiry is redundent or fruitless. This is the point, which I will be required to consider in the light of the provisions of sec. 33(2) of the R. P. Act, 1951.
- 15. I have already quoted above sec. 33(2) of the R.P. Act. Prima facie, it would appear that the text of this sub-section would allow no scope for any interpretation by resort to extraneous aides. It is the cardinal principle of interpretation that if the text of any provision is clear and unambiguous and is susceptible of only one reasonable meaning, the meaning as is apparent and evident has to be deduced. The other aids of interpretation are required to be sought for if the text of the said provision is susceptible of two or more interpretations or the text, as it is, does not afford a clear expression of the legislative intent. The legislature has put the mandate in very emphatic terms. It states that the candidate shall not be deemed to be qualified to be chosen to fill that seat, unless his nomination paper contains a declaration by him specifying the particular caste or tribe of which he is a member and the area in relation to which that caste or tribe is, a schedule caste or, as the case may be, a scheduled tribe of the State. I am not obligious of this circumstance that or of the auxiliary very "shall" is not necessarily indicative of the mandatory character of the provision, but the text enjoins on the Returning Officer that the nomination papers shall not be accepted and the candidate shall not be deemed to be qualified to be chosen to fill that seat, unless his nomination paper contains, a declaration by his specifying the particular caste or tribe of which he is a member. The text of this sub-section, in my opinion, is not susceptible of any other even remotely possible meaning.
- 16. The Supreme Court had an occasion to examine the character of the text of Sec. 33(2) of this Act in the case of V. V. Giri vs. D. Suri Dora & Others, AIR 1959 S.C. 1318. The Supreme Court in this connection, speaking through the majority Judgment, has laid down as follows:—
 - "A member of the schedule tribe is entitled to contest for the reserved seat and for that purpose he can and must make the prescribed declaration (emphasis supplied by me)."

In paragraph 12 of the said reported judgment, the following observations have been made by the majority, speaking through Gajend agadkar J., as he then was:—

"The effect of S. 33(2) is that unless a member of the scheduled tribe makes the required declaration, he would not be entitled to claim election to the reserved seat..."

It is no doubt true that the scope of Sec. 33(2) came to be examined by the Supreme Court in the said V. V. Giri's case (supra), in the context of sec. 54(4) of the Act. In those days, there were double member or multi-member constituencies and the provisions of the Representation of People Act. 1950 had come to be considerably amended in the year 1966 by Act No. 47 of 1966. As per the amendment of 1966, the double member or multi-member constituency came to be given a permanent go-bye on and from that date, all constituencies came to be made single member constituencies. However, what the Supreme Court observed with respect to the meaning of the provisions of sec. 33(2) does not get its worth in any way detracted from, So, In my view, it is not possible to hold that the mandate of Sec. 33(2), if at all applicable, it in any way directory and not fully mandatory.

- 17. On behalf of the respondent No. 1, a few authorities were pressed into service. The first is the case of K. Parthasarathy vs. C. Nataraiadavar & Ois., AIR 1959 Madras-156. In that case, sec. 33(2) was examined in the light of sec. 36(4) and it was held that the nomination paper filed by a candidate for the reserved seat of a scheduled caste was valid, even though the provisions of sec. 33(2) of the Act were not complied with in so far as the candidate there stated that he was a Hindu Harijan, but he did not specify to what particular scheduled caste he belonged. It was held in that case that the defect of sec. 33(2) "was not of such substantial cha acter as to justify the rejection of the nomination paper."
- 18. Another case cited on behalf of the respondent no. I is the case of Karnail Singh vs. Election Tribunal Hissar & Ors. 10 Election Law Reporter 189. There also, it was held that ommission to state part of electoral roll in which candidate's name appears was not vital and incidentally sec. 33(2) was examined in the light of sec. 36(4) of the Act. In that case, it was held as follows:—
 - "The only defect pointed out was that the name of the sub division was not stated therein, but on the evidence it was quite clear that there was no difficulty in identifying the candidate and the candidate himself pointed out to the Returning Officer the entry of his name in the electoral roll."

It appears that sec. 33(2), though mentioned in the Head-note, does not find place in the body of the judgement at page 190. It appears from the facts of the case that reference to sec. 33(2), even if it be there in the part of the judgement not reported, must obviously be obiter.

- 19. The third case is the case of Harnam Singh vs. Tirath Singh I.L.R. 1964 Vol 1 Punjab 798. One of the two questions before the appellate Beach of the High Court in that election appeal was whether the rejection of the nomination paper in question was valid. In that case, the candidate, though a member of the Scheduled Tribe, was not contesting a reserved seat with the result that sec. 33(2) would clearly be inapplicable to his case. The observations that are, therefore, made there are obiter. Moreover, as we can find at page 812 "no decided case nor any sound principle has been cited at the bar in support of the appellant's contention, which must be repelled". So, this case is of little coskonce.
- 20. As far as sec. 33(2) of the R.P. Act is concerned, the Supreme Courts judgement in V.V. Girls case (Supra) makes the position clear. I have already referred to the said judgement. The Madras High Courts judgement, the facts of which are clearly analogous to the facts of the case on hand, cannot be said to be expounding good law in the face of V.V. Giri's case (Supra). Even on my own and interpreting Sec. 33(2) of the Act, I would hold that the text of Sec, 33(2) does not admit to any other interpretation. except the mandatory character thereof.

- 21 The moot question and an important question that was, however raised on behalf of the respondent no 1 by Mr Advocate General opposions with Mr H M Mehta was that section 33(2) of the RP Act, 1951 has lost its significance, though it continues to be there on the statute book, Mi Advocate General in this connection took me through the provision, of the representation of People Act, 1950, as it was prior to its amendment in the year 1966 by Act no 47/66 He invited my pointed attention to the following sections, which are reproduced below—
 - 3(1) The allocation of seats in the house of the people shall be as shown in the first Schedule,
 - (2) To each State specified in the first column of the First Schedule there shall be allotted the number of seath specified in the second column thereof opposite to that State
 - Note —This section and Sec 1 prescribes the total number of scats in the House of People allotted to each State
 - 4(1) The seats allotted under section 3 to the State of Jammu and Kashmir and to the Andaman and Nicobar I lands shall be seats to be filled by persons nominated by the President,
 - (2) Save as aforesaid, all the other seats in the House of the people allotted to the States under that section shall be seats to be filled by persons chosen by direct election
 - 5 For the purpose of elections to the House of the neople, there shall be the constituencies as provided by sec 6 or by order made thereunder, and no other constituencies
 - 6(1) Each State to which only one seat is allotted in the First Schedule shall form one constituency
 - (2) As soon as may be after the commencement of this Act, the president shall, by order, determine—
 - "(a) The constituencies into which each State to which more than one seat is allotted in the First Schedule shall be divided
 - (b) the extent of each constituency,
 - (c) the number of seats allotted to each constituency, and
 - (d) the number of sents, if any reserved for the scheduled castes or for the scheduled tribes in each constituency,

It is not disputed that ever since the amendment in that Act, the double member and multi-member constituencies have become a matter of the past. Sec 33(2) was there in this very form in those days and Mr. Advocate General, with emphasis urged that the text of sec 33(2) was such as would be applicable only to the situation where in a constituency, there were two or more seats, one or more which was or were reserved for a member of the Scheduled Caste or a Scheduled Tribe. He in this connection stressed the word "any" occurring there. It must be fairly conceded the word "any" occurring there. It must be fairly conceded that the word "any" denotes "anyone" and when there is reference to one, ordinarily there would be reference to two or more seats also, when see 33(2) was there prior to the constitution of the single member constituencies it was required to be interpreted to mean that where in a parlia mentary constituency any seass one out of more is releved for a candidate of the Scheduled caste or tribe the member would be required to specify the specific caste or tribe so that out of a number of candidates in that constituency it could be ascertained at a sheer glance as to who are the candidates for a reserved sent and who are the candidate for a general seat. The argument in so far as it goes to this stage appears to be sound. The further argument of Mr. Advocate General, however was that the provisions of sec. 33(2) lost all significance and importance the moment there came to be provided the single member constituencies. He therefore urged that sec 33(2) should be treated as otiose hv me He for that purpose, sought reliance on some observations of the Supreme Courts judgement in V V Glri's case (Supra), already referred to by me In that case, the illustration appended to Sec. 54(4) of the R P. Act, 1951 was treated by the Supreme Court as otiose in some respects Said sec. 54(4) had an illustration which is reproduced below (it is to be noted that this whole sec. 54 has been deleted from the statute by Representation of People Amend ment Act, 1961, being Act no 40/61)—

'Illustration—At an election in a constituency to fill iour seats of which two are reserved there are six candidates A B,C,D,E and F, and they secure votes in descending order, A securing the largest number, B, C and D are qualified to be chosen to fill the reserved seats, while A E and F are not so qualified. The Returning Officer will first declate B and C duly elected to fill the two tescived seats, and then declate Λ and D (not A&E) to fill the tem ining two seats."

In paragraph 15 of the said reported judgment (VV Gin's case Supra), the Supreme Cout has observed as follows:

"Whilst we are dealing with S 54 we may incidentally refer to the appellant's argument based on S 8(2)

(a) of the Delimitation Act, which provides that in every two-number constituency one seat shall be reserved either for the scheduled castes or for the scheduled tribes and the other seat shall not be so reserved it is niged that in view of this provision, the case contemplated by the illustration to S 54(4) is not likely to occur any more and in that sense the illustration has become 'Otiose'. That may be true But even so the significance of the illustration has in the fact that it clarifies and explains concretely how the reservation of seats for the depressed castes and tribes will actually work out in elections in the relevant constituencies."

the Supreme Court agreed that the importance of sec 54(4) and the illustration appended to it was no more but the Supreme Court did not say that the pro-visions came to be effected for all purposes. It has emphasis-ed. That the significance of the illustration lay in the fact that it clarified and explained conceedly how the reservation of seats for the depressed caste and tribes will actually work out in elections in the relevant constituencies. The fact that sec 54(4) came to be deleted as a consequence of the amending Act, no 40/61 by Sec 12 thereof will effect from 20-9 61 shows that the Path ment is alive to the redundency of any provisions Despite the change in the constitution of constituencies the l'egislature thought it wise to retain sec 33(2) on the Statute book Mr Advocate General wanted me to hold that Parliament through over sight forgot to delete this provision, when the amending Act of 1966 came to be enacted It is not ordinarily safe to attribute this sort of slip to an August body like Parliament Apart from this general proposition there is a clear indication in sec Apart from 33 itself about the Legislature's consciousness about the improviso came to be added to sub sec (4) of sec 33 by the very Amending Act of 47/66 by sec 29 thereof It is, therefore, reasonable to because that despite the change in the constitution of the constituencies by making them single member constituencies the Legislature wanted to retain sub-sec (2) of sec 33 of the R P. Act, If the purpose of sec, 33(2) was the only purpose to distinguish the candidates for reserved seats from those for general seats, the candidates of reserved seats from those for general seats, the candidates of reserved seats from those for general seats, the candidates of reserved seats from those for general seats, the candidates of reserved seats from those for general seats, the candidates of reserved seats from those for general seats. the argument advanced by Mr Advocate General pethaps would have held the field The purpose of Sec 33(2), however, is not that only purpose to be served Over and above the purpose already specified by Mi Advocate General, the purpose appears to give a choice to the candidate of the scheduled caste or tribe to opt for the additional benefit of contesting on the reserved seat. To me it appears that the major purpose of the Parliament in enacting sec. 33(2) in the mandatory form is that out of a number of castes and tribes, which would be obviously notified by the president the candidate must mention in his nomentum formulation. the candidate must mention in his nomination form which one, out of a number of castes or tribes he is belonging to The election forms are open to inspection at the hands of a rival candidate Such a rival candidate or his agent is emrowered to object to the nomination paper of the other condidate in order to effectively object to the claim of candillate to be belonging to one or the other of a number of seats or tribes he is to be given a legitimate notice or information so that he may ascertain whether the claim is

well-rooted or not. A parliamentary constituency is ordinately a very big one. Comparatively smaller, but nevertheless quite extensive would obviously be the constituency for a state I egislative Assembly or council. In some cases, rival candidate, who aspites for a reserved seat. In order to give notice to the other intending objectionist, the Parliament provided that out of a number of castes or tribes, the claimant of this additional benefit of candidature for a reserved seat must specify to what caste or tribe he belongs. The objectionist cannot be and is not intended to be allowed to remain in a nebulous state of mind. It is with this evid-nt purpose in mind, which must be existing even prior to 1966 sec. 33(2) is retained by the parliament, despite being fully alive to the constitution of single member constituencies.

- 22. Mr. Advocate General in this connection had emphasised the words, "any seat" along with the words "that seat" occurring in the latter part of that sub-section and urged that the phrase "that seat" was obviously referable to the earlier words "any seat". When the Parliament, despite the constitution of single member constituently, retained sub-sec. (2) of Sec. 33, it is more advisable to read the section by reading 'a' for 'any' rather than ignoring the entire statutory provision. Ordinary presumption of law is that the legislature does not speak anything, which is devoid of any meaning. The retention of sec. 33(2), even after 1966, therefore, is to be understood to be indicative of the parliament's desire to continue to achieve the earlier purpose of posting the would be objectionist with the readily available material for his further search and scrutiny, so that within a matter of a few days available to him between the date of filling of the nomination papers and the date of scrutiny, he collects the requisite material and places it and prosses his point.
- 23. As an extension of his argument, Mr. Advocate General urged that Article 14 of the Constitution of India would be attracted, if one person fills in the form by writing Rathwa in the form and another person does not write so, but the form is sufficiently indicative of the man being of that tribe It is difficult to appreciate this argument. This argument proceeds on the assumption that both the forms are validly accepted. The argument further proceeds on the assumption that further evidence could be led before the Returning Officer in order to make good the deficit, if any, When sec. 33(2) cuts at the nomination forms itself, the scope for any invidious different treatment would hordly arise.
- 24. Mr. Advocate General further argument in this connection was that even though change in the constitution of constituencies was effected in the year 1958, the original form like Form 2-A continued to be operative and, therefore, the difficulty of the nature, that has arisen in this case, would arise. The argument was put forward in support of the plea that see. 33(2) and other allied provisions of Rule 4 and Form 2—had become nugatory in importance, but when I do not uphold the main argument, the subsidiary argument pressed by Mr. Advocate General cannot be accepted.
- 26. Lastly, it was urged that the Gujarati form, as was supplied by the office of the Returning Officer, had misled the respondent, who for no fault of his, comes to suffer. In a society where rule of law prevails, a man is presumed to know the law, including sec. 33(2) of the Act. A person, who puts forth himself as a candidate for Parliament, is experted to know the law of the land and this alleged mistake cuntot be allowed to have its sway in the hands of a careful candidate, there i₃ no possibility of Gujarati form causing misleading.
- 26. It was then urged that a technical mistake like the one on hand should not be allowed to set at naught the cumbersome and costly procedure of election and relience in this connection was placed on sec. 36(4) of the R. P. Act. It was urge1 with considerable and appreciable venemance that the provisions of sec. 36(4) had an over-powering effect over the provisions of sec. 33(2) and the defect in this case should be held to be "not of a substantial character". Sec. 36(2) deals with the scrutiny of nominations. Sub-sec. (4) of sec. 36 makes a general provision that if the defect is not of a substantial character, it should not be allowed to sway the judgment of the Returning Officer. The question again would turn to the character of the requirement under sec. 33(2) of the R. P. Act. When the Parliament in very emphatic language ordained that the nomination papers shall not be accepted, it is to be mesumed legitimately that the Parliament treated the requirement of sec. 33(2) as of substantial character.

- 27. In above view of the matter the election petition is required to be allowed and the election of the respondent no. I is set aside, because there was improper acceptance of his nomination paper and the result of the respondent no. I has been materially affected thereby, the election of the respondent no. I is hereby set aside. The respondent no. I to pay costs of the petitioner, which are assessed at Rs. 500. The High Court to intimate the substance of this decision to the Election Commission and then Speaker of the House of Parliament as soon as possible and as soon as may be thereafter to send to the Election Commission an authenticated copy of this decision.
- 28. At this stage, Mr. H. M. Mehta, the learned advocate appearing for the respondent no. 1 applied for stay of the operation of this order under sec. 116-B of the Representation of the People Act, 1951. The operation of this order is stayed for a period of three weeks, after the receipt of the certified copy of this judgment, which shall be applied for and obtained urgently by the respondent no. 1.

[No. 82/GI/(2/1780)/81] DHARAM VIR, Under Secy. Election Commission of India.

अ।देश

नई दिल्ली, 15 श्रत्रैल, 1981

आं० अ० 280.—याः, निर्मावन प्रायोग का समाधान हो गया है कि नवम्बर, 1978 में हुए लोक सभा के लिए उप निर्मावन के लिए 20—चिकमंग्लूर निर्मावन क्षेत्र में जुनाब लड़ने वाले उम्मीदबार श्री खान हैदर अली खान, प्रोप्राईटर टिप्पू ट्रैवरज, नम्बर 24/7, जे० सी० रोड, बैंगलोर-560002, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 नथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस यमफ्यता के लिए कोई कारण श्रयवा संस्टीकरण नहीं दिया है भीर निविधन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

भत. राज, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री खान हैंदर धली खान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मभा अथवा विधान परिचव् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की लारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्शाहत घोषित करना है।

[म० कमटिक-लो० स०/20/78 (उप) (4)]

ORDERS

New Delhi, the 15th April, 1981

O.N. 280.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khan Hyder Ali Khan Proprietor, Tippu Trovels, No. 24/7, J. C. Road, Bangalore-560002, a contesting candidate for Bye election to the House of People held in November, 1978 from 20-Chikmagalur Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khan Hyder Ali Khan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KT-HP/20/78(bye)/(4)]

आ. अ. 281.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए तमिलनाड़ विधान सभा के लिए साधा-रण निर्वाचन के लिए 194-तिरुपाथूर निर्वाचन क्षेत्र से च्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ए. विराभाधिरन, 6/13-40 सन्नथी स्ट्रीट तीरुपाथूर, रामानाथा पुरम जिला (तिमल नाड) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों व्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्याचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायाँचित्य नहीं है;

अत. ाय, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एसद्द्धारा उक्त श्री ए. विरामाधिरन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हित घोषिस करता है।

> [सं त ना.—नि.-स./194[/]80 (89)] आधेश से, अ. कू. चटजी², अवर संचिव, भारत निर्धाचन आयोग

O.N. 281.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri A. Virabathiran, 6/13—40 Sannathi Street, Tiruppattur, Ramanathpuram District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 194-Tirupattur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made the cunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri A. Virabathiran to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/194/80(89)]
By Order,
A. K. CHATTERJEE, Under Secy.
to the Election Commission of India